RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:46 ता. 08 अगस्त 2023, मंगलवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

सुरक्षाबलों ने पुंछ में घुसपैठ के प्रयास को किया विफल, दो आतंकवादी ढ़ेर

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास सुरक्षाबलों ने सोमवार सुबह घुसपैठ के प्रयास को विफल करते हुए दो आतंकवादियों को मार गिराया है। जम्मू स्थित रक्षा प्रवक्ता लेफ्टिनेंट कर्नल सुनील बर्त्वाल ने आज यहां बताया कि पुंछ में तड़के

करीब दो बजे हमले के लिए घात लगाये जाने पता चला। प्रवक्ता ने बताया कि दो व्यक्तियों को पुंछ के देगवार तेरवा के सामान्य क्षेत्र में नियंत्रण रेखा के पार घूमते देखा गया। उन्होंने बताया कि गोलीबारी के दौरान एक आतंकवादी को गिरते हुए देखा गया और जबकि दूसरा आतंकवादी ने नियंत्रण रेखा पर वापस भागने के प्रयास में मारा गया। भारतीय सेना और पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से चलाया जा रहा अभियान अभी जारी है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले रविवार को राजौरी जिले के खवास इलाके में भारतीय क्षेत्र में घुसने का प्रयास कर रहे एक आतंकवादी को चल रहे अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने मार गिराया गया था।

राहुल गांधी फिर बने सांसद, बंगला भी मिलेगा वापस; कांग्रेस ने की लोकसभा में वेलकम की तैयारी

● राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता फिर बहाल हो गई। उन्हें मोदी सरनेम वाले मानहानि के केस में दो साल की सजा मिली थी, जिसके चलते उनकी सांसदी चली गई थी। लेकिन शुक्रवार का दिन राहत वाला रहा।

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता आज से फिर बहाल हो गई है। लोकसभा सचिवालय की ओर से आज ही इस संबंध में अधिसूचना जारी की गई है। लोकसभा महासचिव उत्पल कुमार सिंह की ओर से जारी अधिसूचना में कहा गया है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद राहुल गांधी की सदस्यता को बहाल किया जाता है। अब राहुल गांधी को उनका बंगला भी वापस मिल सकता है, जो संसद की सदस्यता जाने के बाद छिन गया था। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद से ही कांग्रेस में जश्न का माहौल है। कहा जा रहा है कि उनके लोकसभा में पहुंचने पर कांग्रेस आक्रामक हो सकती है। सदन में उनके वेलकम के लिए कांग्रेस तैयारी में जुटी है। राहुल गांधी को मोदी सरनेम वाले मानहानि के केस में दो साल की सजा मिली थी, जिसके चलते उनकी सांसदी चली गई थी। लेकिन शुक्रवार का दिन उनके लिए बड़ी राहत वाला रहा। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें मिली दो साल की सजा पर यह कहते हुए रोक लगा दी कि अधिकतम सजा देने का ट्रायल कोर्ट से कारण नहीं बताया गया। इसके बाद से ही कयास लग रहे थे कि राहुल गांधी अब सोमवार को सदन में पहुंच सकते हैं। राहुल गांधी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद कहा था कि मेरा रास्ता क्लियर है और मैं उस पर डटा रहूंगा। इसके अलावा कांग्रेस नेताओं ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने लोकतंत्र की रक्षा की है।

राहुल गांधी की छवि मजबूत, INDIA गठबंधन में बढ़ेगा कद

राहुल गांधी की सदस्यता बहाल होने के बाद संसद भवन में ही मल्लिकार्जुन खरगे के दफ्तर में जश्न मना। इस दौरान कांग्रेस के अलावा INDIA गठबंधन के सांसद भी मिठाई खाते नजर आए। राहुल गांधी की सजा पर रोक और फिर सदस्यता बहाली को कांग्रेस अपनी जीत के तौर पर देख रही

है। कहा जा रहा है कि राहुल गांधी को संसद में एंट्री के बाद कांग्रेस के तेवर और आक्रामक हो सकते हैं। इसके अलावा INDIA गठबंधन में भी कांग्रेस की स्थिति मजबूत हो सकती है। कांग्रेस के रणनीतिकारों को लगता है कि राहुल गांधी ने इस मामले में माफी न मांगकर मजबूती दिखाई और विचारधारा के लिए डटे रहने का जज्बा दिखाया है।

खरगे बोले- वायनाड के लोगों के लिए राहत की बात

राहुल गांधी की सदस्यता की बहाली को लेकर मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि यह देश की जनता और खासतौर पर वायनाड के लोगों के लिए बड़ी राहत की बात है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी का जो भी कार्यकाल बचा है, उसमें मोदी सरकार को जनता के मुद्दों पर बात करनी चाहिए। उन्हें विपक्षी नेताओं पर हमले करने से बचना चाहिए।

राहुल का एक ही मंत्र याद रखना है, डरो मत : कमलनाथ

भोपाल। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की संसद सदस्यता बहाल होने की लोकसभा सचिवालय की अधिसूचना का स्वागत करते हुए मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने आज कहा कि श्री गांधी का डरो मत का मंत्र ही सभी कांग्रेसजनों को याद रखना है। श्री कमलनाथ ने अपने ट्वीट में कहा कि गांधी की लोकसभा सदस्यता बहाली का फ़ैसला स्वागतयोग्य है। उन्होंने कहा कि अब संसद में हमें फिर वह सिंह गर्जना सुनने को मिलेगी जो जनता को अभय और लोकतंत्र विरोधियों को भय देती है। श्री गांधी का एक ही मंत्र सबको याद रखना है, डरो मत ।

'केजरीवाल के अच्छे काम से भाजपा को हो रही ईर्ष्या'

दिल्ली सेवा विधेयक को लेकर संजय राउत का केंद्र पर कटाक्ष

नई दिल्ली। दिल्ली सेवा विधेयक को सोमवार को राज्यसभा में पेश किए जाने की तैयारी के साथ, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने अपने सांसदों को व्हिप जारी कर स्थगन तक उच्च सदन में उपस्थित रहने के लिए कहा है। गौरतलब है कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) विधेयक, 2023 लोकसभा में पहले ही पारित हो चुका है। इसी बीच, दिल्ली में आम आदमी पार्टी सरकार की सराहना करते हुए, उद्धव ठाकरे गुट के संजय राउत ने कहा कि अरविंद केजरीवाल प्रशासन विभिन्न क्षेत्रों में अच्छा काम कर रहा है और यही कारण है कि भारतीय जनता पार्टी को 'ईर्ष्या' हो रही है।

संजय राउत का केंद्र पर कटाक्ष

संजय राउत ने मीडिया से कहा, यह बिल भारत के संघीय ढांचे पर हमला है। चुनाव के दौरान, भाजपा ने कहा था कि वे दिल्ली को राज्य का दर्जा देंगे, लेकिन अरविंद केजरीवाल से चुनाव हार गए। केजरीवाल सरकार शिक्षा और स्वास्थ्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में अच्छा काम कर रही है। उन्हें ईर्ष्या हो रही है। हम राज्यसभा में इसका विरोध करेंगे। राउत की शिवसेना पार्टी विपक्ष के I.N.D.I.A गठबंधन का हिस्सा है, जिसका गठन 2024 के लोकसभा चुनावों में एनडीए सरकार से मुकाबला करने के लिए किया गया था।

केजरीवाल को राजनीतिक में रोकने की कोशिश-आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संदीप पाठक ने कहा, यह बिल अरविंद केजरीवाल को राजनीति में आगे बढ़ने से रोकने के लिए लाया जा रहा है। कांग्रेस पार्टी और अन्य पार्टियां हमारा समर्थन कर रही हैं। केंद्र सरकार अपने राजनीतिक हित के लिए यह विधेयक ला रहे हैं। हम जनता के बीच जाएंगे और भाजपा को बेनकाब करेंगे।

गैर-भाजपा सरकार में जारी होगा विधेयक

आम आदमी पार्टी के एक अन्य सांसद सुशील गुप्ता ने कहा, यह एक प्रायोगिक विधेयक है, जिसे भाजपा पेश कर रही है, जिसकी शुरुआत दिल्ली से होगी। जहां भी गैर-भाजपा सरकारें हैं, वे इस विधेयक को पेश करेंगी और राज्य सरकार को कमजोर करेंगी।

गुरुग्राम में उपद्रवियों ने अब मजार में लगा दी आग, धारा 144 भी बेअसर; केयरटेकर बोले - दंगे हो सकते हैं

गुरुग्राम। हरियाणा के नूंह से उठी सांप्रदायिक हिंसा की आग बुझने का नाम नहीं ले रही है। अब गुरुग्राम में कुछ अज्ञात लोगों ने मजार में आग लगा दी है। बताया जा रहा है कि सोमवार की सुबह मजार को आग के हवाले कर दिया गया है। मजार के केयर टेकर घसीटा राम के मुताबिक, रविवार की रात तक खंडसा गांव के इस मजार में सबकुछ ठीक था। वो रात साढ़े आठ बजे घर चले गए थे। सुबह करीब डेढ़ बजे उन्हें फोन पर सूचना मिली कि किसी ने मजार में आग लगा दी है। बताया जा रहा है कि मजार के आसपास रहने वाले किसी शख्स ने उन्हें फोन कर मजार में आग लगाए जाने की सूचना दी थी। घसीटा राम मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले के रहने वाले हैं। रविवार की रात साढ़े बजे वो फिरोज गांधी कॉलोनी में स्थित अपने घर चले गए थे। उनके जाने के बाद किसी ने इस मजार को आग के हवाले कर दिया। इस मामले में सेक्टर 37 पुलिस थाने में केस दर्ज करवाया गया है। घसीटा राम ने कहा है कि लोगों की मदद से इस आग पर काबू पाया गया है। घसीटा राम ने थाने में जो एफआईआर दर्ज करवाई है उसमें बताया है कि जब मैं वहां गया तो मैंने देखा कि मजार के अंदर प्रसाद रखा हुआ था वो सबकुछ जल गया था। मुझे पता चला है कि 5-6 युवा लड़कों का एक ग्रुप वहां जमा था और मजार को आग लगा दी।

भावनाएं आहत हुई, दंगे हो सकते हैं

मजार के केयरटेकर का कहना है कि मजार को आग लगाए जाने से लोगों की भावनाएं आहत

हुई है और यह समाज में अब दंगे की वजह बन सकता है। उन्होंने कहा कि आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि वो इस मजार में करीब 7 सालों से काम कर रहे हैं और उन्होंने देखा कि सभी धर्म के लोग यहां आकर आशीर्वाद लेते हैं। न्यूज एजेंसी पीटीआई से बातचीत में घसीटा राम ने कहा, यह दशकों पुराना पीर बाबा का मजार है और गांव के सभी लोग यहां पूजा-पाठ भी करने आते हैं। मजार को आग के हवाले करने की वारदात तब हुई है जब गुरुग्राम में कुछ दिनों पहले हुई सांप्रदायिक हिंसा के बाद धारा 144 लागू है।

इन धाराओं में केस हुआ दर्ज

इस मामले में पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ धारा 34 (एक ही मंशा से कई लोगों द्वारा अपराध करना), 153 (दो समूहों के बीच नफरत पैदा करना), धारा 188 (सरकार आदेश का उल्लंघन), धारा 436 (आग या विस्फोटक पदार्थ द्वारा घर या किसी अन्य चीजों को नष्ट करना)के तहत केस दर्ज किया गया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपियों को पकड़ने की कोशिशें की जा रही हैं और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। पुलिस ने कहा कि रथिवास गांव के नजदीक शनिवार की रात एक ढाबे में भी आग लगा दी गई थी। इस मामले में बिलासपुर थाने में उसी दिन केस दर्ज करवाया गया था। गुरुग्राम पुलिस ने यह भी बताया है कि रविवार की रात सोहना में हिंसा फैलाने के आरोप में 15 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इन सभी को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है।

रजनी पाटिल की राज्यसभा सदस्यता बहाल

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा जवाब दिये जाने के दौरान विरोध कर रहे विपक्षी सदस्यों का कथित तौर पर वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डालने के आरोप में निलंबित कांग्रेस की राज्यसभा सदस्य रजनी पाटिल का निलंबन आज समाप्त कर उनकी सदस्यता बहाल कर दिया गया।

● सुबह में सदन की कार्यवाही शुरू होने पर विधायी कार्य निपटाये जाने के दौरान ही सभापति जगदीप धनखड़ ने श्रीमती सरोज पांडे को विशेषाधिकार समित के 74वें प्रतिवेदन को सदन पटल पर रखने के लिए कहा। श्रीमती पांडे ने कहा कि समिति ने श्रीमती पाटिल को कथित तौर पर सदन की कार्यवाही का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डालने का दोषी पाया है।

सुबह में सदन की कार्यवाही शुरू होने पर विधायी कार्य निपटाये जाने के दौरान ही सभापति जगदीप धनखड़ ने श्रीमती सरोज पांडे को विशेषाधिकार समित के 74वें प्रतिवेदन को सदन पटल पर रखने के लिए कहा। श्रीमती पांडे ने कहा कि समिति ने श्रीमती पाटिल को कथित तौर पर सदन की कार्यवाही का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डालने का दोषी पाया है। हालांकि समिति का मानना है कि इसको लेकर निलंबित की गयी श्रीमती पाटिल की सजा को पूरी सजा माना जाये और उनकी सदस्यता आज से ही बहाल की जाये।

इसके बाद सभापति ने श्रीमती पाटिल की सदस्यता को बहाल करने का प्रस्ताव सदन में रखा जिसे ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। इसके बाद श्री धनखड़ ने कहा कि श्रीमती पाटिल आज से कार्यवाही में भाग ले सकती है।

हरियाणा में बीजेपी का क्षेत्रीय पंचायती राज परिषद सम्मेलन

पीएम मोदी का 7 राज्यों के कार्यकर्ताओं को टास्क, शहरों की बजाए गांव पर करें फोकस

चंडीगढ़। हरियाणा के फरीदाबाद स्थित सूरजकुंड में बीजेपी के दो दिवसीय क्षेत्रीय पंचायती राज परिषद सम्मेलन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल संबोधित किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं को कई टास्क दिए। पीएम ने सभी को शहरों के बजाय गांवों पर फोकस करने को कहा। उन्होंने सम्मेलन में शामिल पार्टी जिलाध्यक्षों के साथ ही कार्यकर्ताओं को 5-5 गांवों के समूह बनाकर केंद्रीय योजनाओं की जानकारी देने का टास्क दिया। पीएम ने इसके लिए दीपावली तक फिक्स टाइम भी दिया। इस प्रशिक्षण शिविर में उत्तर प्रदेश, हिमाचल, उत्तराखंड, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, राजस्थान के प्रतिनिधि शामिल हुए।

दीपावली तक का दिया टाइम

पीएम ने कार्यकर्ताओं से आग्रह किया आप दीपावली तक तय कीजिए कि 5-5 गांवों का समूह बनाकर आयुष्मान भारत कार्ड जिनको मिला है उनके सम्मेलन कीजिए। लाभार्थी खुद बताएं उन्हें कैसे इसकी मदद मिली है। आगे देखिए जो लोग छूट गए हैं उनको लाभ दिलाएं।

आपके क्षेत्र में हेल्थ और वेलनेस सेंटर को सुचारु रूप से चलाने में सहयोग करें। जिले में पहली मेडिसिन केंद्र बनाने में भी काम करें। ई संजीवन योजना की मदद से 14 करोड़ से ज्यादा बार डॉक्टरों से संपर्क कर चुके हैं। अभियान चलाकर अपने क्षेत्र के हर गांव में ई संजीवनी योजना की जानकारी पहुंचानी चाहिए।

किसान समृद्धि केंद्र में बैठे कार्यकर्ता

पीएम ने सम्मेलन में खेती-किसानों से जुड़ी कई योजनाएं गिनाईं। उन्होंने कहा कि हाल ही में फसल योजना बीमा के जरिए एक लाख 20 हजार करोड़ रुपए का मुआवजा किसानों को दिया गया है। अभी कुछ ही दिन पहले ही मैंने वन स्टॉप सेंटर के जरिए एक लाख 25 हजार किसान समृद्धि केंद्र देश को समर्पित किए हैं।

उन्होंने कहा कि कभी जाइए वहां केंद्र में बैठिए। इन केंद्रों में खाद, बीज, खेती से जुड़े औजार, सरकारी योजनाओं की जानकारी एक जगह ही मिल रही है। केंद्र सरकार के ये सारे प्रयास किसानों का जीवन आसान बना रहे हैं। उनकी आय बढ़ाने में बहुत मददगार साबित हो रहे हैं।

कमजोर पड़ा अब मॉनसून, बारिश को तरस जाएंगे ये राज्य, आईएमडी ने बढ़ा दी चिंता

नई दिल्ली। जुलाई में भारत के अधिकांश राज्यों में रंग दिखा चुका मॉनसून अब कुछ शांत होने जा रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग यानी ढ्ढरूष्ठ ने ऐसे संकेत दिए है। रविवार को विभाग ने जानकारी दी है कि दक्षिण पश्चिम मॉनसून कमजोर चरण में जा चुका है। ऐसे में मध्य और प्रायद्वीपीय भारत में बारिश की गतिविधि कम होने के आसार हैं। हालांकि, आने वाले 4-5 दिनों में उत्तराखंड, उत्तरी उत्तर प्रदेश, बिहार, उप हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम और पूर्वोत्तर में भारी बारिश होने की संभावनाएं हैं।

कमजोर होगा मॉनसून

मौसम विभाग के महानिदेशक एम मोहापात्रा का कहना है, मॉनसून अब कमजोर चरण में आ चुका है। हमने पूरे जुलाई में मॉनसून का सक्रिय चरण देखा। उन्होंने बताया कि अब एक्टिव फेज के बाद वीक फेज की उम्मीद है। उन्होंने कहा, अगले कम से कम एक सप्ताह के लिए प्रायद्वीपीय और मध्य भारत में कम बारिश होगी। हिमालय की तलहटी और पूर्वोत्तर राज्यों में बारिश होगी। हम बारिश की कमी का सामना कर रहे बिहार, पश्चिम बंगाल, झारखंड और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों जैसे राज्यों में बारिश की उम्मीद कर रहे हैं।

4-5 दिनों तक यहां दिखेगा असर

मौसम विभाग का कहना है कि अगले 4-5 दिनों तक मध्य और प्रायद्वीपीय भारत में बारिश में कमी दर्ज की जा सकती है। मौसम के जानकार और पूर्व सचिव एम राजीवन ने ट्वीट किया, मॉनसून ब्रेक का दौर अब शुरू हुआ है, जो 2 हफ्तों तक जा सकता है। उत्तर भारत में अति भारी बारिश होगी और पूरे देश में मौसम शुष्क रहेगा। एक्टिव फेज के बाद अब ब्रेक फेज आ गया है।

उन्होंने कहा कि मॉनसून की कमजोर

स्थिति कम से कम 20 अगस्त तक बनी रहेगी। उन्होंने इसे अल नीनो का असर बताया है। राजीवन ने कहा, मॉनसून के कमजोर चरण के दौरान मॉनसून ट्रफ हिमालय के करीब चला जाता है और उसकी तलहटी में ही रहता है। असम में बाढ़ की आशंका है, क्योंकि नेपाल में भारी बारिश हो रही है। बिहार में भी बाढ़ आ सकती है।

अब तक कहां कैसी बारिश

6 अगस्त तक देश में 3 फीसदी ज्यादा बारिश हुई। इस दौरान पूर्वी और पूर्वोत्तर भारत में 23 प्रतिशत कम बारिश दर्ज की गई। जबकि, उत्तर पश्चिम भारत में 22 फीसदी ज्यादा बरसात हुई। मध्य भारत में 13 फीसदी ज्यादा बारिश हुई और प्रायद्वीपीय भारत में बारिश की 3 प्रतिशत कमी देखी गई। बिहार, झारखंड, गंगीय पश्चिम बंगाल, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में सबसे कम बारिश हुई है।

अल नीनो का असर-कहा जा रहा है कि अल नीनो अगस्त में और मजबूत हो सकता है, जिसके चलते मॉनसून की बारिश कमजोर पड़ सकती है। हालांकि, अभी भी अल नीनो की स्थिति बनी हुई है, जो अगले साल तक जा सकती है।

वित्त मंत्रालय में प्रपोजल पहुंचा, अब सप्ताह में दो दिन बैंकों में रहेगी छुट्टी

नई दिल्ली । वित्त मंत्रालय में प्रपोजल को मंजूरी मिल जाती है तो अब बैंकों की सप्ताह में दो दिन छुट्टी रहेगी। इस तरह से बैंक हर हफ्ते सिर्फ 5 दिन ही खुले रहेंगे। मिली जानकारी के अनुसार बैंकों में हफ्ते के 5 दिन कार्यदिवस और 2 दिन के साप्ताहिक अवकाश को जल्द मंजूरी मिलने की संभावना है। यहां गौरतलब है कि अभी साप्ताहिक अवकाश के तौर पर रविवार के अलावा महीने का दूसरा और चौथा शनिवार है। जबकि बैंक कर्मचारी यूनियनों द्वारा सभी शनिवारों को साप्ताहिक अवकाश घोषित करने की मांग को 28 जुलाई की बैठक में बैंक एसोसिएशन ने स्वीकार कर लिया है। अब भारतीय बैंकों के प्रबंधन की प्रतिनिधि संस्था ने मंजूरी के लिए वित्त मंत्रालय के पास भेज दिया है। अगर केंद्रीय वित्त मंत्रालय भी इसे मंजूरी दे देता है तो बैंक सप्ताह में सिर्फ पांच दिन ही चालू रहेंगे और कर्मचारियों को पहले और तीसरे शनिवार को काम नहीं करना पड़ेगा। हालांकि, सप्ताह के 5 कार्यदिवस की समयावधि में 45 मिनट तक बढ़ोतरी की जा सकती है। बैंकर्स को भरोसा है कि उनके प्रस्ताव को वित्त मंत्रालय से मंजूरी मिल जाएगी। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि मंत्रालय के साथ कुछ अनौपचारिक बातचीत के आधार पर ऐसा लगता है कि सरकार को बैंकर्स यूनियन के इस अनुरोध को स्वीकार करने में कोई समस्या नहीं हो सकती है, और यह लागू भी हो जाएगा।

ठाकरे के आवास मातोश्री में निकाला कोबरा, वन विभाग की टीम ने पकड़ा

मुंबई । शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख और पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे के आवास मातोश्री में चार फीट लंबा कोबरा मिलने से हडकंप मच गया। यह सांप ठाकरे के आवास मातोश्री में पानी की टंकी के पीछे मिला। जैसे ही ठाकरे परिवार को खबर मिली, तब सांप को देखने के लिए उद्धव और उनके बेटे तेजस ठाकरे अपने आवास से बाहर आए। इसका वीडियो भी सामने आया है। इसके तुरंत बाद ही वन विभाग को इसकी सूचना दी गई। सांप पकड़ने वाली टीम मौके पर पहुंची और कोबरा को वन विभाग को सौंप दिया गया ताकि कोबरा को उसके प्राकृतिक आवास में छोड़ा जा सके। दरअसल रविवार दोपहर करीब 1.30 बजे शिवसैनिकों ने सांप को देखा था। एक सांप पकड़ने वाले को इमरजेंसी कॉल की गई और इसमें शामिल सभी लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उपाय किए।

घुसपैठ की कोशिश कर रहा एक आंतकवादी ढेर, दूसरा गोली लगाने से हुआ घायल

जम्मू । सुरक्षा बलों ने जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए एक आतंकवादी को मार गिराया और एक अन्य को गोली मार दी। अधिकारियों ने बताया कि जिले के देगवार सेक्टर में सतर्क सैनिकों ने सुबह अंधेरे की आड़ में घुसने की कोशिश कर रहे कुछ आतंकवादियों की हरकत देखी और उनसे मुठभेड़ कर ली। भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस के संयुक्त अभियान में, पाकिस्तान की ओर से एलओसी पर घुसपैठ करने वाले दो आतंकवादियों की सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ हो गई। गोलीबारी के दौरान, एक आतंकवादी मारा गया और दूसरे को नियंत्रण रेखा पर वापस भागने की कोशिश करते समय गोली मार दी गई। उन्हें गोली लगी और उन्हें गिरते हुए देखा गया। आतंकियों के शव बरामद करने के लिए इलाके में सर्च ऑपरेशन चलाया गया। हालांकि पहले आतंकवादी को मार गिराया गया, लेकिन यह पता नहीं चला कि दूसरा आतंकी मार गया घायल हुआ। जम्मू स्थित रक्षा पीआरओ लेफ्टिनेंट कर्नल सुनील बर्तवाल ने कहा दो व्यक्तियों को देगवार तेरवा के सामान्य क्षेत्र में नियंत्रण रेखा के पार घूमते देखा गया। आगामी गोलीबारी में, एक आतंकवादी को गिरते हुए देखा गया, जबकि दूसरा पिंटू नाला की ओर चला गया। सूत्रों ने कहा कि पाकिस्तान स्थित आतंकवादी समूह स्वतंत्रता दिवस से पहले जम्मू-कश्मीर में एक बड़े आतंकवादी हमले को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। इसकारण एलओसी और अंतरराष्ट्रीय सीमा दोनों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

डिजिटल तकनीकी के कारण 400 फ़ीसदी बढ़ा बच्चों का उत्पीड़न

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में भारतीय मनोचिकित्सक समिति (इंडियन सायकायट्रिक सोसाइटी) का 2 दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन भोपाल में आयोजित हुआ। इसमें बड़ी संख्या में मनोरोग विशेषज्ञ शामिल हुए। आयोजित समिति के अध्यक्ष डॉ आरएन साहू के अनुसार, डिजिटल मेंटल हेल्थ पर आधारित इस सम्मेलन के अंतिम दिन,मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित सेमिनार संपन्न हुआ। जिसमें डॉक्टरों ने अपने अपने शोध पत्र और नवीन जानकारियां प्रस्तुत की। डिजिटल तकनीकी के इस युग में बच्चों का यौन उत्पीड़न तथा मानसिक बीमारियां बड़ी तेजी के साथ बच्चों में बढ़ रही हैं। सेमिनार में यूनिसेफ के आंकड़े पर भी चर्चा हुई। 2019 के मुकाबले 2020 में तकनीकी आधारित बाल उत्पीड़न की घटनाओं में 400 फ़ीसदी की वृद्धि को सबसे ज्यादा चिंताजनक बताया गया है। इस सम्मेलन में देश और विदेश के 500 से अधिक प्रतिनिधि शामिल हुए। जिसमे प्रसिद्ध डॉक्टर विहंग वाहिया,डॉ निमेष देसाई,डॉक्टर समीर पारेख,डॉक्टर जी प्रसाद राव ओर डॉ एसके चतुर्वेदी भी शामिल हुए। उनके अनुभव का लाभ सेमिनार में शामिल सभी डॉक्टरों को मिला।

देश में कमजोर पड़ा मानसून! इस माह देश में सामान्य से कम बारिश

- अगले एक सप्ताह तक प्रायद्वीपीय और मध्य भारत में कम बारिश होगी

नई दिल्ली । जुलाई के महीने में सामान्य से अधिक बारिश होने के बाद मानसून अब धीरे-धीरे कमजोर पड़ रहा है। मौसम विज्ञान विभाग की तरफ से यह जानकारी दी गई कि जुलाई में पांच प्रतिशत अधिक बारिश हुई थी लेकिन हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और सौराष्ट्र सहित देश के उत्तरी मैदानी इलाकों में मानसून अब कमजोर चरण में प्रवेश कर चुका है। ऐसे में आने वाल दिनों में उत्तरी क्षेत्रों में कम बारिश की संभावना है। साथ ही यह भी बताया गया कि मध्य और प्रायद्वीपीय भारत में भी बारिश में अब कमी देखने का मिलेगी। मौसम विभाग ने कहा कि मानसून अब कमजोर चरण में प्रवेश कर गया है। हमने पूरे जुलाई में मानसून का एक जोरदार और सक्रिय चरण देखा है। अंतर-मौसमी बदलाव के साथ सक्रिय चरण के बाद मानसून में अब एक कमजोर चरण की उम्मीद है। बताया गया कि पृष्ठभूमि में अल नीनो की स्थिति स्थापित हो गई है, जिसके चलते कम से कम अगले एक सप्ताह तक प्रायद्वीपीय और मध्य भारत में कम बारिश होगी। हालांकि हिमालय की तलहटी और पूर्वोत्तर राज्यों में बारिश होगी। मौसम विभाग ने कहा कि हम उम्मीद कर रहे हैं कि बारिश की कमी का सामना कर रहे पूर्वी राज्यों जैसे बिहार, पश्चिम बंगाल, झारखंड और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में बारिश होगी। बीते महीने ही यह भविष्यवाणी की गई थी कि अगस्त के महीने में देश में सामान्य से कम बारिश होने की संभावना है। साल 1971 से 2020 के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया गया कि इतने लंबे समय में भारत में अगस्त की औसत बारिश सामान्य के मुकाबले 90 फीसदी से 94 फीसदी के बीच ही रही है। मौसम विभाग के मुताबिक अगस्त और सितंबर में बारिश मिलाकर आमतौर पर 42.8 सीएम रहती है. अकेले अगस्त में 25.49 सीएम बारिश होती है।

सरकार की गलती से दोबारा शादी करने जा रहे 15 जोड़े

कोलकाता। कोलकाता और उसके आसपास रहने वाले ऐसे 15 जोड़े दोबारा शादी करने जा रहे हैं, जिनके मैरिज सर्टिफिकेट में खामियां पाई गई हैं। इन लोगों को जिला अदालत जाना होगा और वहां अपनी शादी को खारिज कराना होगा। इसके बाद दोबारा शादी करके नए दस्तावेज बनवाने होंगे। इसकी वजह यह है कि इनके मैरिज सर्टिफिकेट में खामियां पाई गई हैं, जिन्हें दूर नहीं किया जा सकता। शादियों के सर्टिफिकेट को लेकर यह नियम है कि इन्हें एक बार जारी कर दिया गया तो फिर जिला अदालत से ही कैंसिल कराया जा सकता है। बंगाल के मैरिज रजिस्ट्रार ऑफिस में कुल 8000 शादी के प्रमाण पत्रों में खामियां पाई गई हैं। इन सभी कोरोना काल में जारी किया गया था, लेकिन इनमें से 15 ऐसे हैं, जिनमें अब कोई सुधार नहीं किया जा सकता। ऐसे में इन कपल्स के यही विकल्प बचा है कि पहले वे जिला अदालत में जाकर अपनी शादी को कैंसिल कराएं और फिर नए सिरे से विवाह करें। जिन 15 कपल्स को दोबारा शादी करने के लिए कहा गया है, उनमें से 12 जोड़े हिंदू हैं। इन लोगों ने स्पेशल मैरिज ऐक्ट, 1954 के तहत शादी की थी और इन्हें 30 के अंदर प्रमाण पत्र हासिल हुए थे।

जो 75 सालों से याद नहीं आया वो अब आ रहा है याद : मल्लिकार्जुन खड़गे

-पीएम के क्विट इंडिया वाले बयान पर कांग्रेस ने कसा तंज, आखिर मोदी को मानना ही पड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री के उस बयान पर कांग्रेस ने तंज कसा है, जिसमें वे क्विट इंडिया मूवमेंट की दुहाई देते नजर आ रहे हैं। कांग्रेस ने इस पर अपनी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। गौरतलब है कि पीएम नरेंद्र मोदी लगातार विपक्षी गठबंधन इंडिया पर निशाना साधते हुए क्विट इंडिया' की बात कर रहे हैं। वह अपने सभी कार्यक्रमों में इसका जिक्र कर रहे हैं। वहीं, अब विपक्ष की ओर से भी पलटवार किया जा रहा है। इसी कड़ी में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने नरेंद्र मोदी पर पलटवार किया है। खड़गे ने कहा कि यह हमारी जीत' है कि जिन लोगों को 75 वर्षों तक 'भारत छोड़ो आंदोलन' याद नहीं आया, वे अब इसे याद कर रहे हैं। उन्होंने हमला करते हुए कहा कि पीएम मोदी ने पिछले 10 सालों से केवल तोड़ने की नकारात्मक राजनीति की है। खड़गे ने आरोप लगाया कि अब उनकी वाणी से अब 'इंडिया' के लिए भी कटु शब्द निकल रहे हैं। खड़गे ने आगे कहा कि पिछले 3 महीने से मणिपुर हिंसा को आप काबू नहीं कर पाए हैं। आपकी विभाजनकारी राजनीति ने समुदायों को आपस में ऐसे लड़वाया है कि वहाँ गृह युद्ध जैसे हालात हो गए हैं।

कांग्रेस ने कहा कि मणिपुर में अब तक करीब 150 से ज़्यादा लोग मारे जा चुके हैं। साथ ही हरियाणा में जो हो रहा है वो पूरा देश देख रहा है। जहां दशकों से दंगा नहीं हुआ, वहाँ आपकी सरकार और आपके संघ परिवार के लोग भाई को भाई से लड़वा रहें है। कट्टरपंथी दोषी समाज के शत्रु हैं, चाहे वो किसी भी धर्म के हो। उन्होंने पीएम को संबोधन में लिखा कि आपने पिछले 10 वर्षों में इस देश को सिर्फ़ बेरोज़गारी, महंगाई, आर्थिक असमानता, ग़रीबी, महिला असुरक्षा, दलित उत्पीड़न और सामाजिक अन्याय दिया है। इन सबको समाप्त करने की ज़रूरत है। यह आपके सरकार के लिए असंभव लगता है। इससे जनता में निराशा है। समस्याओं का निराकरण करने के बजाय प्रधानमंत्री जी रोज अपने लिए एक नये उद्भटन का प्रोग्राम ढूँढते हैं। सरकारी आयोजनों में राजनीति करते हैं- विपक्ष पर हमला करते हैं।

खड़गे ने अपना हमला जारी रखते हुए कहा कि आपके राजनैतिक पूर्वजों ने भारतीय को भारतीयों के ख़िलाफ़ किया, अंग्रेज़ी हुकूमत का साथ दिया, मुखबिरी की और क्विट इंडिया का कड़ा विरोध किया। गाँधी हत्या की साज़िश में संदेहपूर्ण भूमिका रही। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे का विरोध किया। आजादी के 52 साल तक उसे फहराया नहीं। सरदार पटेल को उनको तिरंगे का बहिष्कार करने के लिए चेतावनी देनी पड़ी। जो 75 सालों नहीं याद आया वो क्विट इंडिया अब याद आ रहा है। खड़गे ने कहा कि यही हमारी सबसे बड़ी जीत है।

राज्यसभा सदस्य सिब्बल का पीएम पर तंज....भारत के जलने पर मौन रहने वाले भारत छोड़ दें

नई दिल्ली। राज्यसभा सदस्य और पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल ने विपक्ष केखिलाफ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'भारत छोड़ो' संबंधी तंज को लेकर उन पर पलटवार किया। सिब्बल ने कहा कि 'हम एकजुट भारत चाहते हैं' और 'भ्रष्टाचार को शह देने वालों और भष्ट्राचार को छिपाने वालों को देश छोड़कर जाना चाहिए। दरअसल प्रधानमंत्री मोदी ने 508 रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्य की आधारशिला रखने के दौरान कार्यक्रम को संबोधित कर विपक्ष पर नकारात्मक राजनीति करने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि 'भारत छोड़ो' आंदोलन से प्रेरित होकर पूरा देश 'भ्रष्टाचार, वंशवाद और तुष्टिकरण- भारत छोड़ो का समर्थन कर रहा है। सिब्बल ने ट्वीट किया, प्रधानमंत्री बापू के 'भारत छोड़ो' आंदोलन का आह्वान कर रहे हैं, लेकिन आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) ने अंग्रेजों का साथ दिया।' पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''हम एकजुट भारत चाहते हैं, 'बंटा' हुआ भारत नहीं, जहां से भ्रष्टाचार को 'शह देने' और भष्ट्राचार को छिपाने' वालों को जाना चाहिए। जब भारत 'जलता' है, तब उस वक्त मौन साधने वालों को देश छोड़कर जाना चाहिए। नफरत को बढ़ावा देने वालों को देश छोड़कर जाना चाहिए।' सिब्बल मनमोहन सरकार के पहले और दूसरे कार्यकाल के दौरान केंद्रीय मंत्री थे। उन्होंने पिछले वर्ष मई में कांग्रेस छोड़कर समाजवादी पार्टी (सपा) के समर्थन से राज्यसभा के निर्दलीय सदस्य चुने गए थे। सिब्बल ने अन्याय के खिलाफ लड़ाई के लिए गैर-चुनावी मंच 'इंसाफ बनाया है। प्रधानमंत्री मोदी ने देशभर में 508 रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्य की आधारशिला रखने के बाद आरोप लगाया कि विपक्ष का एक वर्ग इस सिद्धांत पर काम कर रहा है कि न तब वे काम करते हैं, और न ही किसी और को काम करने देने वाले हैं।

भारत का तीसरा सबसे तेजी से विकास करने वाला राज्य बना बिहार

-दो लाख नई नौकरियों के साथ लगभग 74000 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित

मुंबई (एजेंसी)। एमएसएमई एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल और कन्फेडरेशन ऑफ ऑर्गेनिक फूड प्रोड्यूससर्स एंड मार्केटिंग एजेंसियों (सीओआईआई) द्वारा हाल ही में संपन्न अध्ययन के अनुसार, बिहार की अर्थव्यवस्था ने मजबूत वृद्धि दर्ज की है और आंध्र प्रदेश और राजस्थान के बाद देश के शीर्ष पांच सबसे तेजी से बढ़ते राज्यों में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। ÷प्रगतिशील बिहार निवेशकों को असीमित अवसर प्रदान करता है÷ विषय पर अध्ययन आज यहां एमएसएमई निर्यात संवर्धन परिषद के अध्यक्ष डॉ डी एस रावत द्वारा जारी किया गया। उन्होंने कहा, सेंटर फॉर मॉनिटरिंग ऑफ इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) के अनुसार, पिछले पांच वर्षों के दौरान, बिहार ने 73,900 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित किया है, 77,047 करोड़ रुपये की चालू परियोजनाओं को सफलतापूर्वक पूरा किया है। 16,10,381 करोड़ कार्यान्वयनाधीन हैं। यह अनुमान लगाया गया है कि लगभग दो लाख नौकरियां (प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष) उत्पन्न हुई हैं और एक बार ये परियोजनाएं पूरी हो जाएंगी तो तीन लाख से अधिक अतिरिक्त रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

राज्य की अर्थव्यवस्था में मजबूत सुधार दर्ज किया गया क्योंकि स्थिर कीमतों पर सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 10.98 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की गई, जो राष्ट्रीय विकास दर से काफी ऊपर है। जीएसडीपी की वृद्धि में योगदान देने वाले दो सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र पशुधन और मछली पकड़ने और जलीय कृषि रहे हैं, जिनमें क्रमशः 9.5 प्रतिशत और 6.7 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई है। राज्य की अर्थव्यवस्था काफी हद तक सेवा-आधारित है जिसमें कृषि और औद्योगिक की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है। जून 2023 तक सेंटर फॉर मॉनिटरिंग ऑफ इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) के अनुसार, वर्ष 2022-23 के दौरान घोषित नई निवेश परियोजनाएं 3127.30 करोड़ रुपये की थीं, पूरी की गई निवेश परियोजनाएं 22577.42 करोड़ रुपये की थीं, कुल निवेश परियोजनाएं बकाया थीं 39446.64 करोड़ रुपये के थे और कार्यान्वयन के तहत 338227.66 करोड़ रुपये थे। एक बार जब ये परियोजनाएं पूरी हो जाएंगी, तो 70,000 से अधिक प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा होने की उम्मीद है।

डॉ. रावत ने कहा, 2021-22 में घोषित नई निवेश परियोजनाएं 13131.06 करोड़ रुपये की थीं, पूरी परियोजनाएं 15492.22 करोड़ रुपये की थीं, निवेश परियोजनाएं पुनर्जीवित की गईं। 1841.18 करोड़, कुल बकाया निवेश परियोजनाएं 418584.66 करोड़ रुपये थीं और कार्यान्वयन के तहत 339951.91 करोड़ रुपये थीं। 2022-23 में घोषित नई निजी निवेश परियोजनाएं 2684.94 करोड़ रुपये की थीं, 215.65 करोड़ रुपये की पूर्ण परियोजनाएं, कुल बकाया निवेश परियोजनाएं 59579.65 करोड़ रुपये और कार्यान्वयन के तहत 41327.70 करोड़ रुपये थीं। पर्यटन राज्य के आर्थिक विकास में योगदान देने वाला एक आर्थिक बूस्टर बन गया है। बिहार में 2014 से 2019 तक पर्यटन की संचयी औसत वृद्धि दर लगभग 95 प्रतिशत है, लेकिन उसके बाद महामारी के कारण भारत सहित वैश्विक अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई। विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने में राज्य 8वें स्थान पर रहा।

2017 से अभी तक 12 हाईकोर्ट जजों का इस्तीफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में 2017 से अभी तक 12 हाई कोर्ट के जज अलग-अलग कारणों से अपनी सेवा से इस्तीफा देकर चले गए हैं। एक ओर हाईकोर्ट जज बनने के लिए प्रयास किये जाते हैं। वहीं हाईकोर्ट के जज इस्तीफा देकर जा रहे हैं। इसके कारण न्यायिक हल्के में चर्चाएं लगातार हो रही हैं।

न्यायमूर्ति रोहित देव का इस्तीफा

मुंबई हाई कोर्ट की नागपुर बेंच के न्यायमूर्ति रोहित देव का कोर्ट में इस्तीफा देना, सारे देश में चर्चा का विषय बन गया है। उनका तबादला इलाहाबाद हाईकोर्ट में करने की अनुशंसा कॉलेजियम ने की थी। न्यायमूर्ति देव ने शुक्रवार को आत्म सम्मान का हवाला देते हुए, ओपन कोर्ट में ही अपने इस्तीफा का ऐलान किया था। उन्होंने अपने इस्तीफे का कारण निजी बताया है। यह माना जा रहा है,कि लगातार उन पर दबाव बनाया जा रहा था। जिसके कारण उन्होंने इस्तीफा दिया है।

उल्लेखनीय है,नागपुर बेंच में नक्सली गतिविधियों से जुड़े मामले में गडचिरोली कोर्ट की उम्रकैद की सजा को, उन्होंने पलट दिया था। दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व प्रोफेसर जीएन साईबाबा और 4 अन्य को निर्दोष करार कर दिया था। उसके बाद से ही उनके ऊपर लगातार दबाव बन रहा था। कहा जा रहा है,इसी कारण उन्होंने इस्तीफा दिया है। इस तरह की कई अन्य अटकलें भी उनके इस्तीफे को लेकर शुरू हैं। 5 साल में एक दर्जन हाईकोर्ट जजों का इस्तीफा सभी को चौंका रहा है।

ट्रैफिक जाम से बेंगलुरु के लोग गंवा रहे सालाना 20 हजार करोड़ रुपये

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में लोग ट्रैफिक जाम होने से ही करोड़ों का नुकसान उठा रहे हैं। एक शोध में पता चला है कि यहां पर ट्रैफिक जाम से होने वाली समस्याओं की वजह से सालाना 19,725 करोड़ का नुकसान हो रहा है। एक रिसर्च में यह खुलासा हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार मशहूर ट्रैफिक एंड मेबिलिटी एक्सपर्ट एमएन श्रीहरि और उनकी टीम द्वारा किए गए एक शोध में कहा गया है कि बेंगलुरु में यातायात में देरी, भीड़भाड़, सिग्नलों के रुकने, समय की हानि, ईंधन की हानि और संबंधित कारकों के कारण बेंगलुरु को प्रति वर्ष 19,725 करोड़ का नुकसान हो रहा है। श्रीहरि, जो परिवहन के लिए कई सरकारों और स्मार्ट शहरों के सलाहकार भी हैं, ने शनिवार को राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को ये रिपोर्ट सौंपी है। रिपोर्ट में बेंगलुरु में सड़क यातायात प्रबंधन, सड़क योजनाओं के निर्माण, फ्लाईओवर निर्माण समेत अन्य चीजों की सिफारिशें की गई हैं। इससे पहले डी के शिवकुमार ने बेंगलुरु में यातायात भीड़ के मुद्दे पर चर्चा करने के लिए 3 अगस्त को नई दिल्ली में केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की थी। केंद्र ने आईटी सिटी में भीड़भाड़ कम करने के लिए राज्य सरकार से विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने को कहा है।

गौरतलब है कि शहर में 60 फ्लाईओवर होने के बावजूद, श्रीहरि और उनकी टीम ने पाया कि आईटी हब में सालाना 19,725 करोड़ का नुकसान होता है। इसके पीछे के कारणों में सड़कों पर भीड़भाड़, सिग्नलों पर ठहराव, तेज गति से चलने वाली गाड़ियों के लिए धीमी गति से चलने वाले वाहनों का हस्तक्षेप और इन सबकी वजह से ईंधन की हानि, कार्यशील आबादी के समय की हानि होती है, जिसका खामियाजा हरेक साल करीब 19,725 करोड़ का होता है। रिपोर्ट के अनुसार, आईटी क्षेत्र में रोजगार की वृद्धि के परिणामस्वरूप बेंगलुरु में आवास, शिक्षा जैसी सभी संबंधित सुविधाओं में वृद्धि हुई है।

क्या गाय को मिलेगा राष्ट्रीय पशु का दर्जा? संसद में सरकार ने दिया यह जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय संस्कृति मंत्री जी किशन रेड्डी ने सोमवार को संसद को बताया कि भारत का राष्ट्रीय पशु बाघ है और सरकार का इरादा गाय को राष्ट्रीय पशु के रूप में मान्यता देने का नहीं है। मंत्री ने स्पष्ट किया कि भारत सरकार ने बाघ और मोर को क्रमशः 'राष्ट्रीय पशु' और 'राष्ट्रीय पक्षी' के रूप में अधिसूचित किया है और इन दोनों को वन्य जीवन (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची-I जानवरों में शामिल किया गया है।' उन्होंने कहा कि भारत सरकार काफी समय से MoEF&CC के आधिकारिक रिकॉर्ड में नहीं आ रही थी, मंत्रालय ने 30 मई 2011 को बाघ और मोर को क्रमशः 'राष्ट्रीय पशु' और राष्ट्रीय पक्षी' के रूप में पुनः अधिसूचित किया।

रेड्डी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के संसद सदस्य (सांसद) भागीरथ चौधरी द्वारा उठाए गए कई सवालों का जवाब दे रहे थे, जिन्होंने संस्कृति मंत्रालय से पूछा था कि क्या सरकार भारतीय संस्कृति की अभिन्न अंग 'गौमाता' (गाय) को राष्ट्रीय पशु का मान्यता देने का इरादा रखती है। रेड्डी से पूछा गया था कि क्या देश भर में आम लोगों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए देश में कुछ पक्षी, फूल, जानवर आदि को राष्ट्रीय पक्षी, राष्ट्रीय फूल और राष्ट्रीय पशु के रूप में नामित किया गया है और विशेष दर्जा के साथ-साथ सुरक्षा प्रदान की गई है। मंत्री ने अपने जवाब में कहा, जैसा कि पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफ और सीसी) द्वारा सूचित किया गया है, भारत सरकार ने बाघ और मोर को क्रमशः 'राष्ट्रीय पशु' और 'राष्ट्रीय पक्षी' के रूप में अधिसूचित किया है।

एक विशिष्ट प्रश्न पर कि क्या इलाहाबाद और जयपुर उच्च न्यायालय ने 'गौमाता' को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की प्रक्रिया में तेजी लाने का आदेश दिया था और टिप्पणी की थी, रेड्डी ने कहा कि ये मामले राज्य के विधायी अधिकारियों के हाथों में हैं, साथ ही उन्होंने कहा, 'क्रम में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों (केंद्र शासित प्रदेशों) द्वारा किए गए प्रयासों को पूरा करने और पूरक करने के लिए, पशुपालन और डेयरी विभाग मवेशियों की स्वदेशी नस्लों सहित स्वदेशी नस्लों के विकास और संरक्षण के लिए राष्ट्रीय गोकुल मिशन लागू कर रहा है।

नूंह में बुलडोजर का पंजा लगते ही मिट्टी में मिल गए होटल समेत 100 मकान

-अतिक्रमण की जद में आई लगभग 500 झुग्गियां भी हटाने प्रशासन ने की कार्रवाई

गुरुग्राम (एजेंसी)। नूंह हिंसा में पथराव के बाद प्रशासन द्वारा उन इमारतों को धराशायी किया जा रहा है, जिनपर चढ़कर उपद्रवियों ने पत्थरबाजी की थी। प्रशासन द्वारा बुल्डोजर से इमारतों को ध्वस्त करने का सिलसिला रविवार को भी जारी रहा। जिला प्रशासन के तोड़फोड़ दस्ते ने इस दौरान होटल समेत 100 मकानों पर बुलडोजर का पंजा चलाया, और देखते ही देखते तीन मंजिला बिल्डिंग गिरा दी गई। इसके साथ ही 500 रेहड़ियों और झुग्गियों को भी तोड़ दिया गया। रविवार सुबह सात बजे शुरू हुई तोड़फोड़ की देर शाम तक चली। जिला प्रशासन ने भारी पुलिस बल के साथ इस कार्रवाई को अंजाम दिया। इस दौरान कुछ लोगों ने मौके पर तोड़फोड़ को गलत बताते हुए इसका विरोध किया, लेकिन पुलिसकर्मियों के समझाने पर वह पीछे हट गए। मिली जानकारी के अनुसार जिला प्रशासन ने चौथे दिन तोड़फोड़ कार्रवाई को तेज कर दिया। बड़ी कार्रवाई करते हुए दस्ते ने बहुमंजिला होटल और कजारिया टाइल के शोरूम को जमींदोज किया। बहुमंजिला इमारतों को तोड़ने के लिए प्रशासन को बड़ी मशीनों का बंदोबस्त करना पड़ा। खेड़ा गांव के पास नल्हड़ मोड़ पर दुकानों के अलावा एक होटल को भी तोड़ दिया। नूंह हिंसा के दौरान इस होटल से शोभायात्रा पर पथराव किया गया था। सोहना-अलवर हाईवे पर तिरंगा पार्क के पास बहुमंजिला इमारत में खुले कजारिया टाइल के शोरूम को तोड़ने के लिए दो मशीनों का इस्तेमाल किया गया। कार्रवाई के दौरान शोरूम संचालक या इमारत का मालिक मौके पर नहीं था।

इधर नूंह में जिला प्रशासन की तोड़फोड़ कार्रवाई का विरोध भी किया गया। यहां जिनके मकान तोड़े जा रहे हैं, उनका आरोप है कि सरकार की तोड़फोड़ कार्रवाई न्यायसंगत नहीं है। प्रशासन ने सामान निकालने के लिए भी उनको समय नहीं दिया गया। लोगों का दावा है कि जहां उनके मकान बने हुए हैं, वह जमीन उनकी अपनी मलकियत है। स्थानीय निवासी बत्तन, जरीना, आदिब, मुस्तफा आदि ने बताया कि नूंह हिंसा में उनकी कोई संलिप्तता नहीं है, उसके बाद भी उनका मकान तोड़ दिया गया। लोगों का कहना है कि जिला प्रशासन की तरफ से कोई नोटिस भी उनको नहीं दिया गया। दुकान और घरों में उनका लाखों रुपये का सामान भरा हुआ था, जो अब बर्बाद हो गया है। वहीं उपायुक्त के मुताबिक जिला प्रशासन अब तक 37 जगह तोड़फोड़ कर चुका है और सरकारी 57 एकड़ जमीन खाली करवा चुका है।

हालांकि विरोध के बावजूद शहर से गांव तक जिला प्रशासन का तोड़फोड़ अभियान पहुंच गया है। तालाब या फिर ग्राम पंचायत की जमीन पर हुए कब्जे को हटाया जा रहा है साथ ही बिना नक्शा के बने निर्माण को भी तोड़ा जा रहा है। रविवार को काफी गांवों में इस कार्रवाई को अंजाम दिया गया। उपायुक्त के आदेश पर ग्राम पंचायत, नगर पालिका, नगर परिषद आदि के अधिकारी सरकार जमीन पर कब्जे वाली इमारतों की पहचान कर रहे हैं। जिलाधीश धीरेंद्र खड़गटा ने कहा कि सोमवार को कर्फ्यू के दौरान प्रात 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक जिले के सभी बैंक और एटीएम खोलने के आदेश दिए गए हैं। जिला के तावडू, पुन्हाना, फिरोजपुर झिरका, पिनगवां और शहरी क्षेत्रों में निर्धारित समय अवधि के दौरान बैंक और एटीएम खुले रहेंगे। इस दौरान लोग वित्तीय लेनदेन के लिए सुबह 11 बजे से दोपहर दो बजे तक कर सकेंगे।

इसी तरह नूंह में सुबह नौ बजे से दोपहर एक बजे तक कर्फ्यू में ढील रहेगी। नूंह में फैले उपद्रव की वजह से श्रद्धालुओं की बृजमंडल यात्रा पूरी नहीं हो सकी है। ऐसे में इसे इसी सावन माह में 21 या 27 अगस्त को फिर से निकाला जा सकता है। विश्व हिंदू परिषद के प्रदेशाध्यक्ष रमेश गुप्ता ने कहा कि हिंसा के चलते बृजमंडल यात्रा पूरी नहीं हो सकी है। इसलिए इसी सावन महीने में इस यात्रा को पूरा किया जाएगा। हालांकि इस पर निर्णय होना अभी बाकी है। फिर भी प्रयास किया जा रहा है कि इसे जल्द निकाला जाएगा।

नाव डूबने के बाद तट पर बरामद हुए आठ प्रवासियों के शव

ट्यूनिश । भूमध्य सागर को पार करने के दौरान डूबी नाव में सवार यात्रियों के शव तट पर बरामद हुए हैं। मिली जानकारी के अनुसार ट्यूनीशिया के बंदरगाह शहर स्फैक्स के तट पर पिछले दो दिनों में आठ प्रवासियों के शव बरामद किए गए हैं। बताया जा रहा है कि उनकी नौकाएं यूरोप जाने के रास्ते में भूमध्य सागर को पार करने के दौरान डूब गई थीं। स्फैक्स अदालत के प्रवक्ता फौजी मसमौदी ने रविवार को कहा कि नागरिक सुरक्षा बचाव दल और तट रक्षकों को पिछले दो दिनों से स्फैक्स के समुद्र तटों पर प्रवासियों के शव मिल रहे हैं, जो समुद्र की लहरों में बह कर तटों पर आ रहे हैं। ट्यूनीशिया के अधिकारियों का अनुमान है कि लगभग 17,000 लोग स्फैक्स क्षेत्र में मौजूद हैं जो यहां से 190 किलोमीटर दूर इटली और यूरोप के अन्य हिस्सों में जाने को प्रयासरत हैं। यह नाव भी उन्हीं में से किसी की थी।

भारतीय मूल के पूर्व मंत्री ने राष्ट्रपति चुनाव के लिए किया आवेदन

सिंगापुर । सिंगापुर में भारतीय मूल के पूर्व मंत्री ने राष्ट्रपति चुनाव में पात्रता हासिल करने के लिए आवेदन किया है। जानकारी के अनुसार वरिष्ठ मंत्री थर्मन षणमुगरत्नम ने अगले महीने होने वाले राष्ट्रपति चुनाव लड़ने की पात्रता हासिल करने के लिए सोमवार को अपना आवेदन जमा किया। 66 वर्षीय षणमुगरत्नम ने पिछले महीने औपचारिक रूप से अपना राष्ट्रपति चुनाव अभियान शुरू किया था। उन्होंने देश की संस्कृति को दुनिया में चमकदार बनाने का वादा करते हुए अपना अभियान शुरू किया। बता दें कि यहां राष्ट्रपति चुनाव सितंबर में होना है। वर्तमान राष्ट्रपति हलीमा याकूब का छह साल का कार्यकाल 13 सितंबर को खत्म हो रहा है। हलीमा देश की आठवीं राष्ट्रपति और पहली महिला राष्ट्रपति हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, षणमुगरत्नम ने पात्रता प्रमाण पत्र के लिए अपना आवेदन जमा कर दिया है। उनके अलावा तीन अन्य संभावित उम्मीदवारों ने भी अपने आवदेन जमा करने की घोषणा की है। ये तीनों संभावित उम्मीदवार चीनी मूल के हैं। जीआईसी कंपनी के पूर्व निवेश प्रमुख एनजी कोक सॉन्ग (75) ने मीडिया को बताया कि उन्होंने पात्रता के लिए दो अगस्त को अपना आवेदन जमा किया। वहीं उद्यमी जॉर्ज गोह (63) ने चार अगस्त को पात्रता आवेदन जमा किया। रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रपति पद के पूर्व उम्मीदवार टैन किन लियान (75) ने कहा कि उन्होंने आगामी राष्ट्रपति चुनाव के लिए पात्रता संबंधी प्रमाण पत्र की खातिर अपना आवेदन जमा किया है, लेकिन उन्होंने अभी तक यह तय नहीं किया है कि वह चुनाव लड़ेंगे या नहीं। गौरतलब है ?कि सिंगापुर में राष्ट्रपति पद के चुनाव में उतरने के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए सख्त मानदंड हैं।

एमसीयू व बांग्लादेशी विवि के बीच हुआ अनुबंध, वैश्विक शिक्षा केंद्र बनाने की पहल

ढाका । मप्र के भोपाल स्थित माखन लाल चतुर्वेदी यूनिवर्सिटी व बांग्लादेशी विवि के बीच अनुबंध हुआ है। इससे अब एमसीयू वैश्विक शिक्षा केन्द्र बनने जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार एशिया का पहला और भारतवर्ष का सबसे बड़ा मीडिया विश्वविद्यालय माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल ने आज बांग्लादेश के सबसे बड़े निजी विश्वविद्यालय डफोडिल्स अंतरराष्ट्रीय विश्वविद्यालय के साथ अनुबंध किया है। माखनलाल के कुलपति डॉ के जी सुरेश ने यह अनुबंध डैफोडिल के कुलपति प्रो (डॉ) लूतफर रहमान के साथ हस्ताक्षर किया जिसके अंतर्गत दोनों विवि संकाय, शोधार्थी और विद्यार्थियों का आदान-प्रदान करेंगे। ढाका में आयोजित हस्ताक्षर समारोह को संबोधित करते हुए प्रो सुरेश ने इसे ऐतिहासिक बताया ?कि भारत राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की भावना को साकार रूप देने जा रहा है। इस अनुक्रम में यह अनुबंध भी एक प्रयास है। उन्होंने कहा कि भारत को एक अंतरराष्ट्रीय शिक्षा का केंद्र बनाने की दिशा में पहल हो रही है। इससे पूर्व प्रो सुरेश ने बांग्लादेश भारत मैत्री संघ के सदस्यों को भी संबोधित किया। इस दौरान प्रो रहमान ने उम्मीद जताई कि इस अनुबंध से शोध प्रवृत्ति को मजबूती मिलेगी। तत्पश्चात प्रो सुरेश ने इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा आयोजित शिक्षा मंच को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मुख्य बिंदुओं की ओर प्रतिभागियों का ध्यान आकर्षित किया। इस सम्मेलन में भारत और बांग्लादेश के कई कुलपति भाग ले रहे हैं।

ईरान में इमारतें गिरने से तीन की मौत, 11 घायल

तेहरान । ईरान की राजधानी तेहरान में कई अर्ध-निर्मित इमारतें गिरने से कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और 11 अन्य घायल हो गए। यह घटना रविवार सुबह हुई, जब तेहरान नगर पालिका के कर्मचारी एक असुरक्षित इमारत को ध्वस्त करने की तैयारी कर रहे थे। तेहरान पुलिस सूचना केंद्र के मुता?बिक असुरक्षित इमारत के गिरने से आसपास की पांच इमारतें भी ढह गईं। इससे चार पुलिसकर्मी और नगर पालिका के दो कर्मचारी मलबे में दब गए। बयान में कहा गया है कि अब तक चार लोगों को बचाया जा चुका है। क्रेन और मलबा हटाने वाले उपकरणों की सहायता से बचाव दल को तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया। एक इमारत पूरी तरह से ढह गई और अन्य आंशिक रूप से ढह गईं। इमारतें निर्माणाधीन थीं और उनके अंदर कोई नहीं रहता था। मलबे से निकाले जाने के बाद तीन लोगों की मौत हो गई, यह स्पष्ट नहीं है कि मलबे के नीचे कितने लोग दबे हुए हैं। तेहरान पुलिस सूचना केंद्र के मुताबिक मरने वालों में दो पुलिसकर्मी हैं। एक समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार तेहरान के चिकित्सा आपातकालीन संगठन के प्रमुख मोहम्मद एस्माईल तवाकोली ने कहा कि घटना में 11 अन्य घायल हो गए, इनमें से आठ को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

ऑरलैंडो में गोलीबारी के संदिग्ध की पुलिस के साथ मुठभेड़ में मौत

ऑरलैंडो । फ्लोरिडा के एक होटल में पुलिस और छिपे हुए एक संदिग्ध के बीच गोलीबारी उस व्यक्ति की मौत के साथ समाप्त हुई, जिसके कुछ ही घंटों बाद उसने कथित तौर पर पहले की मुठभेड़ में दो अधिकारियों को गोली मार दी थी, जिससे उनकी हालत गंभीर हो गई थी। एक रिपोर्ट के अनुसार अधिकारियों ने यह जानकारी दी। ऑरलैंडो पुलिस अधिकारी ने कहा कि संदिग्ध का बहुत पुराना हिंसक और आपराधिक इतिहास था। पुलिस ने ट्विटर पर कहा कि संदिग्ध की पहचान 28 वर्षीय डेटन एस. विएल के रूप में की गई है। हिंसा शुक्रवार रात करीब 11 बजे (स्थानीय समय) शुरू हुई, जब दो अधिकारी मियामी हत्याकांड के सिलसिले में वांटेड आरोपी को पकड़ने के लिए तलाशी अभियान के दौरान वाहन की जांच कर रहे थे। इस दौरान जब वो गाड़ियों को रोक के तलाशी ले रहे थे तभी संदिग्ध ने उन्हें गोली मार दी और एक कार चुरा ली और पुलिस के पीछा करने पर भाग गए। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, आरोपियों को पकड़ने के लिए व्यापक तौर पर एक तलाशी अभियान चलाया गया था। पुलिस अधिकारी ने कहा कि व्यापक खोज के बाद, अधिकारी कारवां कोर्ट के 5900 ब्लॉक में हॉलिडे इन में संदिग्ध को ढूंढने में सफल हुए।

एरिस क्या है? ब्रिटेन में तेजी से फैल रहा कोरोना का नया वैरिएंट

दुनिया कोविड-19 महामारी से उबर चुकी है। वहीं अब एरिस या ईजी.5.1 नामक एक नया वैरिएंट सामने आया है, जिससे दुनिया भर में चिंता पैदा हो गई है। ओमिक्रॉन वैरिएंट के इस स्ट्रेन को पहली बार 31 जुलाई, 2023 को पहचाना गया था और तब से यह यूनाइटेड किंगडम में दूसरा सबसे प्रचलित वैरिएंट बन गया है, जो दस में से एक कोविड मामले के लिए जिम्मेदार है। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस ने कहा था कि लोग टीकों और पूर्व संक्रमण से बेहतर सुरक्षित हैं, लेकिन देशों को अपनी सतर्कता में कमी नहीं आने देनी चाहिए।

एरिस के लक्षण : एरिस ओमिक्रॉन वैरिएंट से आया है और इसके कुछ लक्षण भी साझा किए गए हैं। ह्विश्व हेल्थ स्टडी के अनुसार, इस वैरिएंट से जुड़े पांच सबसे आम लक्षण हैं नाक बहना, सिरदर्द, थकान (हल्के से गंभीर तक), छींक आना और गले में खराश हैं। हालाँकि, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि ये लक्षण केवल एरिस के लिए नहीं हैं और वायरस के अन्य प्रकारों में भी देखे जा सकते हैं। एरिस के तेजी से प्रसार ने स्वास्थ्य विशेषज्ञों के बीच चिंता बढ़ा दी है। द नेशनल न्यूज के हवाले से, इंडिपेंडेंट सेज की सदस्य प्रोफेसर क्रिस्टीना पगेल ने चेतावनी दी कि यूके को संभावित रूप से इन वेरिएंट्स, कमजोर प्रतिरक्षा और प्रतिकूल मौसम की स्थिति से प्रेरित एक और लहर का सामना करना पड़ सकता है। चूंकि लोग खराब मौसम के कारण घर के अंदर अधिक समय बिताते हैं, इसलिए संचरण का खतरा बढ़ जाता है।

थाईलैंड में भैंसों की दौड़ के वार्षिक आयोजन को देखते हुए लोग।

प्रधानमंत्री हुन सेन का बेटा मानेत कंबोडिया के राजा का उत्तराधिकारी नियुक्त

नोम पेन्ह। पीएम हुनसेन के बेटे मानेत को कंबोडिया के राजा का उत्तराधिकारी नियुक्त किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कंबोडिया के राजा ने देश के प्रधानमंत्री हुन सेन के बेटे एवं सेना प्रमुख हुन मानेत को सोमवार को औपचारिक रूप से उनका उत्तराधिकारी नियुक्त कर दिया है। लंबे समय से प्रधानमंत्री के पद पर आसीन हुन सेन की पार्टी ने पिछले महीने एकतरफा चुनाव में जीत हासिल की थी। हुन मानेत को अगला प्रधानमंत्री नियुक्त करने के शाही आदेश पर राजा नोरोडोम सिहामोनी ने हस्ताक्षर कर दिए और इसे सरकार के सोशल मीडिया खाते पर साझा किया गया। इस आदेश के अनुसार, 45 वर्षीय हुन मानेत आधिकारिक तौर पर भावी प्रधानमंत्री हैं और वह 22 अगस्त को पदभार ग्रहण करेंगे। इधर हुन मानेत ने उन पर भरोसा करने के लिए राजा को धन्यवाद दिया। उन्होंने 'टेलीग्राम' पर लिखा कि देश और उसके लोगों की सेवा करना उनके लिए जीवन का सबसे बड़ा सम्मान है। वह अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने देश की प्रतिष्ठा को बढ़ाने और देशवासियों के जीवन स्तर को सुधारने का वादा किया। बता दें कि इस आदेश से कुछ दिन पहले, कंबोडिया के निर्वाचन आयोग ने 23 जुलाई को हुए आम चुनाव के परिणामों की शनिवार को घोषणा की, जिसमें प्रधानमंत्री हुन सेन की सत्तारूढ़ पार्टी को भारी बहुमत के साथ विजयी घोषित किया गया। इन चुनावों की पश्चिमी देशों की सरकारों और अधिकार समूहों ने कड़ी निंदा की है। उनका कहना है कि ये चुनाव न तो निष्पक्ष थे और न ही स्वतंत्र, क्योंकि अहम विश्वसनीय विपक्षी दलों को इसमें भाग नहीं लेने दिया गया।

40 देशों की जासूसी एजेंसी के प्रमुख की खुफिया बैठक में अजित डोभाल का साफ संदेश

यूक्रेन में शांति जरूरी है लेकिन रूस के बिना नहीं

जेद्दा (एजेंसी)। सऊदी अरब के जेद्दा में 40 देशों के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों का जुटान हुआ। भारत की तरफ से मोदी के जेम्स बांड कहे जाने वाले अजित डोभाल भी इसमें शामिल हुए। डोभाल ने इस मीटिंग से दुनिया को स्पष्ट संदेश दिया कि यूक्रेन में शांति जरूरी है, लेकिन रूस को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। डोभाल ने सुझाया है कि यूक्रेन के लिए प्रस्ताव बनने की सूरत में रूस का उसमें होना बेहद ही जरूरी है। उनका ये बयान बताने के लिए भी काफी है कि भारत के लिए रूस की दोस्ती आज उतनी ही आवश्यक है जितनी युद्ध के पहले थी।

राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने कहा कि भारत ने युद्ध की शुरुआत के बाद से नियमित रूप से रूस और यूक्रेन दोनों के साथ उच्चतम स्तर पर बातचीत की है। जेद्दा में यूक्रेन पर आयोजित बैठक में डोभाल ने कहा कि भारत संयुक्त राष्ट्र चार्टर और अंतर्राष्ट्रीय कानून में निहित सिद्धांतों के आधार पर वैश्विक व्यवस्था का समर्थन करता है। एनएसए अजीत डोभाल ने कहा, सभी राज्यों द्वारा संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान बिना किसी अपवाद के बरकरार रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि न्यायसंगत और स्थायी समाधान खोजने के लिए सभी हितधारकों को शामिल करते हुए सभी शांति प्रयासों को आगे बढ़ाया जाना चाहिए और यही कारण है कि भारत ने जेद्दा में बैठक में भाग लिया।

डोभाल ने कहा कि पूरी दुनिया और विशेषकर वैश्विक दक्षिण इस स्थिति का खामियाजा भुगत रहा है। भारत यूक्रेन को मानवीय सहायता और वैश्विक दक्षिण में अपने पड़ोसियों को आर्थिक सहायता दोनों प्रदान कर रहा है। भारत का दृष्टिकोण हमेशा संवाद और कूटनीति को बढ़ावा देने का रहा है और रहेगा। शांति के लिए आगे बढ़ने का यही एकमात्र रास्ता है। डोभाल ने साफ कर दिया है कि यूक्रेन में शांति का समाधान ऐसा होना चाहिए जो रूस के विचारों से मेल खाता हो और सभी को मान्य हो। किसी भी शांति समझौते के लिए रूस को भी शामिल किया जाना चाहिए।

जल्दबाजी में पारित किया गया निर्णय, पीटीआई ने इमरान खान की सजा को सुप्रीम कोर्ट में दी चुनौती

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर तोशाखाना मामले में अतिरिक्त एवं सत्र न्यायाधीश (एडीएसजे) हुमायूं दिलावर के फैसले को अमान्य और शून्य घोषित करने का अनुरोध किया। याचिका संविधान के अनुच्छेद 184(2) के तहत दायर की गई थी और इस आधार पर तोशाखाना मामले की फिर से सुनवाई करने की मांग की गई थी कि पीटीआई प्रमुख को निष्पक्ष सुनवाई नहीं दी गई थी। याचिका में कहा गया है कि अनुच्छेद 10ए के तहत एक मौलिक अधिकार, निष्पक्ष सुनवाई का अधिकार, पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को तोशखाना मामले में उनकी सजा के संबंध में अस्वीकार कर दिया गया है। संघीय राजधानी में जिला और सत्र अदालत द्वारा राज्य उपहार डिपॉजिटरी से संबंधित भ्रष्ट आचरण के लिए खान को दोषी ठहराए जाने के बाद 5 अगस्त को खान को गिरफ्तार कर लिया गया और अटॉक जेल में स्थानांतरित कर दिया गया। एडीएसजे दिलावर ने खान को तीन साल की जेल की सजा सुनाई, साथ ही 100,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया, जबकि उनकी तत्काल गिरफ्तारी के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किया। याचिका में तर्क दिया गया कि न केवल निर्णय जल्दबाजी में पारित किया गया था, बल्कि इसे खान की अनुपस्थिति में भी घोषित किया गया था और यह इस्लामाबाद उच्च न्यायालय (आईएचसी) के निर्देशों की पूरी तरह से अवहेलना थी। माननीय इस्लामाबाद उच्च न्यायालय के दिनांक 04.08.2023 के उस आदेश ने स्पष्ट रूप से विचारणीयता के मुद्दे को विद्वान अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश को नए सिरे से तय करने के निर्देश के साथ वापस भेज दिया। हालांकि, इस निर्देश को कमजोर करते हुए, विद्वान न्यायाधीश ने किसी भी नए निर्णय को दरकिनार कर दिया और मामले के वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन के बिना, प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों को नष्ट करते हुए, जल्दबाजी का उल्लंघन करते हुए आवेदन को खारिज कर दिया।

अब ट्विटर पर लाइव-स्ट्रीम होगी मस्क और जकरबर्ग की फाइट, चैरिटी में जाएगी कमाई

सैन फ्रांसिस्को (एजेंसी)। एलन मस्क और मार्क जकरबर्ग की फाइट को ट्विटर पर लाइव-स्ट्रीम के जरिए दुनिया देख सकेगी। इससे होने वाली कमाई को चैरिटी के खाते में जमा किया जाएगा। मिली जानकारी के अनुसार दुनिया के सबसे बड़े रईस एलन मस्क और मेटा (फेसबुक) के सीईओ मार्क जकरबर्ग की मार्शल आर्ट्स फाइट को एक्स यानी ट्विटर पर लाइव-स्ट्रीम किया जाएगा। इससे होने वाली कमाई को वेटरन्स की चैरिटी के लिए दिया जाएगा। मस्क ने खुद एक्स पर इसकी घोषणा की है। गौरतलब है कि हाल में ट्विटर का नाम बदलकर एक्स किया गया है। मेटा ने एक्स को टक्कर देने के लिए हाल में अपना माइक्रोब्लॉगिंग ऐप थ्रेडस लॉन्च किया था। इसके बाद से ही मस्क और जकरबर्ग के बीच जुबानी जंग चल रही है। मस्क ने जकरबर्ग को मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स केज फाइट के लिए चुनौती दी थी। जकरबर्ग ने इसे स्वीकार कर लिया था। पिछले साल मस्क ने ट्विटर को खरीदा था। तबसे इस माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म में कई तरह की समस्याएं चल रही हैं। कंपनी के एड रेवेन्यू में भी भारी गिरावट आई है। मौके का फायदा उठाते हुए मेटा ने अपना माइक्रोब्लॉगिंग ऐप थ्रेड्स लॉन्च किया था। तबसे दोनों महारथियों के बीच ठनी हुई है। जून में दोनों केज मैच फाइट के लिए सहमत हुए थे।

इस दौरान मस्क ने ट्विटर में एक पोस्ट में कहा था कि वह जकरबर्ग के साथ केज फाइट के लिए तैयार हैं। इस पर जकरबर्ग ने मस्क के ट्वीट का स्क्रीनशॉट पोस्ट करते हुए कैप्शन लिखा, मुझे लोकेशन भेजिए। इस पर मस्क ने जवाब दिया, वेगास ओक्टागॉन। हालांकि मस्क ने जकरबर्ग के साथ मनोवैज्ञानिक बढ़त बनाने के लिए पासा फेंका है। उन्होंने ट्वीट किया, मेरे पास एक ग्रेट मूव है जिसे में द वॉलरस कहता है। इसमें मैं अपने विरोधी के टॉप में बैठ जाता हूं और कुछ नहीं करता हूं। एक और ट्वीट में उन्होंने कहा कि मैं कभी भी वर्क आउट नहीं करता हूं। केवल अपने बच्चों को पिक करता हूं और उन्हें हवा में उछलता हूं।

ईरान में और सख्त होगा हिजाब कानून, एआई से होगी निगरानी

तेहरान (एजेंसी)। ईरान में महिलाओं पर हिजाब कानून और सख्त होने वाला है। बताया जा रहा है कि अब एआई से निगरानी रखी जाएगी। साथ ही इसके उल्लंघन पर होने वाली सजा को 10 साल तक बढ़ाया जा रहा है। इस तरह से यहां महिलाओं को लेकर पाबंदियां कम होने की बजाय बढ़ती ही जा रही है। गौरतलब है कि यहां सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं के लिए सिर के बाल ढंकना और ढीले-ढाले कपड़े पहनना अनिवार्य है। ऐसा न करने पर जुर्माने और सज़ा का प्रावधान भी है। अब इसी बीच खबर है कि ईरानी सरकार हिजाब पहनने को लेकर पहले से कड़े नियम लाने की तैयारी कर रही है। बता दें कि पिछले कुछ समय से यहां हिजाब को लेकर विवाद जारी है। महसा आमिनी के मौत के एक साल पूरे होने से पहले ईरान सरकार यह कदम उठाने जा रही है। याद हो कि पिछले साल 22 साल की ईरानी लड़की महसा को पुलिस ने हिजाब को ठीक से न पहनने को लेकर हिरासत में लिया गया था उसके कुछ घंटे बाद पुलिस कस्टडी में ही उसकी मौत हो गई। महसा की मौत के बाद लोगों का गुस्सा उबल पड़ा और देश के अलग- अलग हिस्सों में भारी विरोध प्रदर्शन हुआ।

बता दें कि ईरान में उस समय 500 से ज्यादा प्रदर्शनकारी मारे गए थे। हिजाब को लेकर शोर सिर्फ ईरान नहीं बल्कि स्वीडन से लेकर कनाडा और तमाम अरब देशों में भी सुनाई देने लगा था। हिजाब के खिलाफ ईरान की महिलाओं का साथ देने के लिए अलग-अलग मुल्कों में महिलाएं सड़कों पर उतर आई थी। दुनियाभर में हो रही हिजाब क्रांति के बावजूद ईरान सरकार अपने फैसले से पीछे हटने का नाम नहीं ले रही है। जानकारी के अनुसार यहां पर नए विधेयक में हिजाब न पहनने वालों की सजा को अधिकतम 2 महीने से बढ़ाकर 10 साल कर दिया जाएगा। अब हिजाब न पहनने वाली महिलाओं को ट्रैक करने के लिए एआई की मदद भी ली जाएगी। विशेषज्ञों के अनुसार यह विधेयक, ईरानियों के लिए एक चेतावनी है कि पिछले साल देशभर में भारी विरोध प्रदर्शन के बावजूद ईरान हिजाब रूल पर अपने रुख से पीछे नहीं हटेगा।

पोप फ्रांसिस बोले- चर्च एलजीबीटी सहित सभी लोगों के लिए खुला है, लेकिन...

(एजेंसी)। पोप फ्रांसिस ने कहा कि कैथोलिक चर्च समलैंगिक समुदाय सहित सभी के लिए खुला है और आध्यात्मिकता के व्यक्तिगत मार्ग पर इसके नियमों के दायरे में उनका साथ देना उसका कर्तव्य है। पुर्तगाल से रोम लौट रहे विमान में पत्रकारों से बात करते हुए फ्रांसिस ने यह भी कहा कि जून में पेट की हर्निया की सर्जरी के बाद उनका स्वास्थ्य अच्छा है। उन्होंने कहा कि उनके टांके हटा दिए गए हैं, लेकिन उनकी मांसपेशियां मजबूत होने तक उन्हें दो या तीन महीने तक पेट पर बैंड पहनना होगा। पुर्तगाल में विश्व युवा दिवस कैथोलिक उत्सव से वापस लौटते हुए, 86 वर्षीय पोप अच्छे फॉर्म में दिखाई दिए, जब उन्होंने पत्रकारों के सामने बैठकर अपने पारंपरिक फ्रीव्हीलिंग पोस्ट-ट्रिप प्रेस कॉन्फ्रेंस में लगभग आधे घंटे तक सवालों के जवाब दिए। एक रिपोर्टर ने उन्हें याद दिलाया कि यात्रा के दौरान उन्होंने कहा था कि चर्च हर किसी के लिए खुला है और पूछा कि क्या यह असंगत नहीं है कि कुछ, जैसे कि महिलाओं और समलैंगिक लोगों के पास समान अधिकार नहीं हैं और उन्हें प्राप्त नहीं हो सकता है। यह पवित्र आदेशों के संस्कार के माध्यम से महिलाओं को पुजारी बनने की अनुमति नहीं देने और समान-लिंग वाले जोड़ों को विवाह का अनुबंध करने की अनुमति नहीं देने का एक स्पष्ट संदर्भ था, जो एक संस्कार भी है। उन्होंने कहा कि चर्च सभी के लिए खुला है लेकिन ऐसे कानून हैं जो चर्च के अंदर जीवन को नियंत्रित करते हैं। उन्होंने कहा कि विधान के अनुसार, वे (कुछ) संस्कारों में भाग नहीं ले सकते। इसका मतलब ये नहीं कि ये बंद है. प्रत्येक व्यक्ति चर्च के अंदर अपने तरीके से भगवान का सामना करता है। उन्होंने कहा कि चर्च में मंत्रियों को एक मां के धैर्य और प्यार के साथ सभी लोगों का साथ देना होता है, जिनमें नियमों का पालन नहीं करने वाले लोग भी शामिल होते हैं। चर्च सिखाता है कि महिलाएं प्रीस्ट नहीं बन सकतीं क्योंकि यीशु ने केवल पुरुषों को अपने प्रेरितों के रूप में चुना था।

400 गुणा तक बढ़ा इंफ्रास्ट्रक्चर, चीन सीमा मुद्दे पर विपक्ष की बयानबाजी पर जयशंकर बोले-

जोर से बोलने से ज्यादा जरूरी जमीन पर क्या किया ये देखें

(एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने चीन के साथ सीमा मुद्दे सहित राष्ट्रीय सुरक्षा के मामलों पर आलोचना को लेकर सोमवार को विपक्ष पर निशाना साधा और कहा कि सरकार ने हमेशा सीमा बुनियादी ढांचे को मजबूत करने को प्राथमिकता दी है। पत्रकारों के एक समूह के साथ बातचीत में जयशंकर ने विपक्ष पर कटाक्ष किया और कहा कि जिन लोगों ने सीमा के बुनियादी ढांचे की उपेक्षा की, वे यह दावा नहीं कर सकते कि वे चीन के साथ सीमा की स्थिति के बारे में चिंतित थे। उन्होंने कहा कि जब राजनीतिक क्षेत्र में लोग एक राय रखते हैं और कहते हैं कि उनकी एक मजबूत राय है, तो यह इस बारे में नहीं है कि आप कितना जोर से बोलते हैं, बल्कि यह है कि आपने जमीन पर क्या किया है।

उन्होंने कहा कि हमने जो किया है, उससे कहीं अधिक बड़ा प्रयास हमारे सीमा बुनियादी ढांचे को आगे बढ़ाने का है। जयशंकर ने कहा कि चीन ने 2000 तक सीमा पर बुनियादी ढांचा विकसित कर लिया था। उन्होंने कहा कि अगर गलवान झड़प 2014 में होती तो भारत को बड़ा नुकसान होता। 2020 में जब गलवान (संघर्ष) हुआ तो हम जल्दी पहुंचने में सक्षम थे। अगर यह 2014 में हुआ होता, तो हम ऐसा नहीं कर पाते। जब आप आमने-सामने जाते हैं, तो आपको रसद की आवश्यकता होती है। पहले, हम एक बड़े नुकसान में थे लेकिन अब हमारी तैनाती (हमारे सैनिकों की) बहुत तेज है।

जून 2020 में गलवान घाटी में हुई भीषण झड़प के बाद भारत और चीन के बीच द्विपक्षीय संबंधों में काफी गिरावट आई, जो दशकों में दोनों पक्षों के बीच सबसे गंभीर सैन्य संघर्ष था। भारतीय और चीनी सैनिक पूर्वी लद्दाख में कुछ घर्षण बिंदुओं पर तीन साल से अधिक समय से टकराव में हैं, जबकि दोनों पक्षों ने व्यापक राजनयिक और सैन्य वार्ता के बाद कई क्षेत्रों से सैनिकों की वापसी पूरी कर ली है।

ओवरबर्डन से रेत का उत्पादन अनूठी पहल

राजीव आर. मिश्रा

कोयले का निष्कर्षण एक महत्वपूर्ण उप-उत्पाद के साथ होता है, जिसे ओवरबर्डन के नाम से जाना जाता है। कोयले के खुले खनन के दौरान, कोयले की परत के ऊपर स्थित परत को ओवरबर्डन के रूप में जाना जाता है, जिसमें प्रचुर मात्रा में सिलिका सामग्री के साथ मिट्टी, जलोढ़ रेत और बलुआ पत्थर शामिल होते हैं। नीचे से कोयला निकालने के लिए ओवरबर्डन को हटा दिया जाता है। बाद में, कोयला निष्कर्षण पूरा होने पर, भूमि को उसका मूल आकार प्रदान करने के लिए ओवरबर्डन का उपयोग बैकफिलिंग के लिए किया जाता है। ऊपर से ओवरबर्डन निकालते समय, मात्रा का स्वेल फैक्टर 20-25 प्रतिशत होता है। इस ओवरबर्डन को परंपरागत रूप से अपशिष्ट या बोझ माना जाता है और अक्सर इसके संभावित मूल्य को पहचाने बिना इसे ऐसे ही छोड़ दिया जाता है।

भले ही अपने उपभोक्ताओं के लिए कोयला/ लिग्नाइट का उत्पादन और वितरण करने का ही शासनादेश हो, फिर भी कोयला मंत्रालय के मार्गदर्शन में कोयला और लिग्नाइट सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) ने लीक से हटकर ओवरबर्डन से बहुत कम कीमत पर रेत का उत्पादन करने वाली एक अनोखी पहल की है। इस पहल से न केवल ओवरबर्डन के कारण रेत गाद से होने वाले पर्यावरण प्रदूषण को कम करने में मदद मिल रही है, बल्कि निर्माण के लिए सस्ती रेत प्राप्त करने का विकल्प भी मिल रहा है। कोयला सार्वजनिक उपक्रमों में रेत का उत्पादन पहले ही शुरू हो चुका है और अगले पांच वर्षों के दौरान कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल), नैवेली लिग्नाइट कॉरपोरेशन लिमिटेड (एनएलसीआईएल) और सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) में रेत के उत्पादन को अधिकतम करने के लिए रोडमैप तैयार किया जा चुका है। कोयले का निष्कर्षण एक महत्वपूर्ण उप-उत्पाद के साथ होता है, जिसे ओवरबर्डन के नाम से जाना जाता है। कोयले के खुले खनन के दौरान, कोयले की परत के ऊपर स्थित परत को ओवरबर्डन के रूप में जाना जाता है, जिसमें प्रचुर मात्रा में सिलिका सामग्री के साथ मिट्टी, जलोढ़ रेत और बलुआ पत्थर शामिल होते हैं। नीचे से कोयला निकालने के लिए ओवरबर्डन को हटा दिया जाता है। बाद में, कोयला निष्कर्षण पूरा होने पर, भूमि को उसका मूल आकार प्रदान करने के लिए ओवरबर्डन का उपयोग बैकफिलिंग के लिए किया जाता है। ऊपर से ओवरबर्डन निकालते समय, मात्रा का स्वेल फैक्टर 20-25 प्रतिशत होता है। इस ओवरबर्डन को परंपरागत रूप से अपशिष्ट या बोझ माना जाता है और अक्सर इसके संभावित मूल्य को पहचाने बिना इसे ऐसे ही छोड़ दिया जाता है। हालांकि, सतत अभ्यास और सर्कुलर इकोनॉमी पर बढ़ते फोकस के साथ, ओवरबर्डन के लिए वैकल्पिक उपयोग की खोज करने और इसे कचरे से कंचन में बदलने की दिशा में बदलाव आया है।

प्रथम पहलः इस तरह के रूपांतरण की पहली व्यावसायिक पहल सीआईएल की सहायक कंपनी वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल) ने 2016-17 के दौरान अपनी खदान में की थी। महाराष्ट्र के नागपुर जिले के भानेगांव खदान में एक पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया था, जहां विभाग की ओर से स्थापित की गई मशीनों के जरिए रेत निकाली जाती थी। इस मशीन की क्षमता 300 घन मीटर प्रतिदिन थी। निकाली गई रेत का गहन परीक्षण किया गया और अंततः उसे नदी तल से मिलने वाली रेत से बेहतर पाया गया। इसकी कीमत लगभग 160 रुपये प्रति घन मीटर थी, जो बाजार की तत्कालीन कीमत का लगभग 10 प्रतिशत थी। यह रेत प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के तहत कम लागत वाले घर बनाने के लिए नागपुर इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट को दी गई थी। इसके अलावा दो और विभागीय पहल भी शुरू की गई। पायलट परियोजनाओं की सफलता पर डब्ल्यूसीएल ने नागपुर के पास गोंडेगांव खदान में देश के सबसे बड़े रेत उत्पादन संयंत्र को चालू करके रेत का व्यावसायिक उत्पादन शुरू किया। यह इकाई बाजार मूल्य से लगभग आधी कीमत पर प्रतिदिन 2500 घन मीटर रेत का उत्पादन करती है।

सरकारी इकाइयों के साथ साझेदारी और स्थानीय बिक्रीः नागपुर के सबसे बड़े रेत उत्पादक संयंत्र से उत्पादित रेत का बड़ा हिस्सा बाजार मूल्य के एक तिहाई पर एनएचएआई, एमओआईएल, महा जेनको जैसी सरकारी इकाइयों और अन्य छोटी इकाइयों को दिया जा रहा है। बाकी रेत को बाजार में खुली नीलामी के माध्यम से बेचा जा रहा है, जिससे स्थानीय लोगों को काफी सस्ती कीमत पर रेत मिल रही है।

कचरे से कंचन...आदर्श बदलावः ओवरबर्डन, जिसे कभी अपशिष्ट या बेकार पदार्थ समझा जाता था, अब उसे एक मूल्यवान संसाधन माना जा रहा है। रेत प्रसंस्करण इकाइयां भी जबरदस्त रोजगार के अवसर पैदा कर रही हैं, क्योंकि बड़ी संख्या में स्थानीय आबादी न केवल उत्पादन इकाई में, बल्कि ट्रकों के माध्यम से उपभोक्ताओं तक रेत को ले जाने के लिए उसकी लोडिंग और आपूर्ति जैसी कार्यों में शामिल हो रही है।

समाज पर प्रभावः इस सकारात्मक दृष्टिकोण और ओवरबर्डन के वैकल्पिक उपयोग की खोज के एक भाग के रूप में, सीआईएल ने देश के पूर्वी और मध्य भाग में अपनी सहायक कंपनियों में कई ओवरबर्डन प्रसंस्करण संयंत्र और रेत उत्पादन संयंत्र चालू किए हैं। इस स्थायी प्रयास के हिस्से के रूप में, कोयला सार्वजनिक उपक्रम में ओवरबर्डन से नौ रेत उत्पादन/ प्रसंस्करण संयंत्र पहले से ही उत्पादन में हैं, जिनमें से चार एससीसीएल में, तीन डब्ल्यूसीएल में और एक-एक एनसीएल और ईसीएल में हैं। इन रेत उत्पादन/ प्रसंस्करण संयंत्रों की कुल वार्षिक क्षमता लगभग 5.5 मिलियन क्यूबिक मीटर प्रति वर्ष है। इसके अलावा, सीआईएल की विभिन्न सहायक कंपनियों में ओवरबर्डन से रेत उत्पादक चार संयंत्र निविदा के विभिन्न चरणों में हैं। लिग्नाइट उत्पादक कंपनी एनएलसीआईएल भी दो रेत उत्पादक संयंत्र लगा रही है। इन सभी नए आगामी संयंत्रों की कुल वार्षिक रेत उत्पादन क्षमता लगभग 1.5 मिलियन क्यूबिक मीटर प्रति वर्ष होगी। भविष्य का मार्गः अग्रणी पहलों के माध्यम से, कोयला/ लिग्नाइट सार्वजनिक उपक्रम रेत उत्पादन और खपत के लिए एक परिवर्तनकारी दृष्टिकोण का नेतृत्व कर रहे हैं, जो पर्यावरणीय स्थिरता और सामाजिक कल्याण में योगदान दे रहा है। कोयला मंत्रालय किफायती मूल्य पर ओवरबर्डन से और भी अधिक मात्रा में रेत का उत्पादन करने के लिए कोयला/ लिग्नाइट सार्वजनिक उपक्रम को लीक से हटकर इस पहल को शुरू करने के लिए प्रोत्साहित कर रहा है। अगले कुछ वर्षों में, प्रौद्योगिकी की प्रगति और हमारे देश में विभिन्न स्थानों में भारी मात्रा में होने वाले रेत उत्पादन के साथ, रेत के प्रति घन मीटर कीमत में काफी कमी आएगी, जिससे आम आदमी को निर्माण उद्देश्य के लिए सस्ती रेत उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। साथ ही इससे नदी तल की रेत के इस्तेमाल को भी कम करने में मदद मिलेगी, जो बदले में पर्यावरण के लिए भी फायदेमंद होगा।

(लेखक, वेस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के पूर्व सीएमडी हैं।)

संपादकीय

निर्णय और नसीहत

सर्वोच्च अदालत ने सिर्फ 133 दिन बाद ही उस फैसले पर रोक लगा दी, जिसके कारण राहुल गांधी की सांसदी चली गई थी। अदालत ने कहा, जब तक राहुल गांधी की याचिका पर सुनवाई पूरी नहीं होती, तब तक दोष सिद्धि पर रोक रहेगी। अदालत ने ट्रायल कोर्ट से अधिकतम सजा देने का कारण भी पूछा। साथ ही कहा कि इस सजा के चलते सांसद की एक सीट खाली रह जाएगी जो एक शख्स के नहीं बल्कि मतदाताओं के अधिकार का मसला है। राहुल ने बेंगलुरू के कोलार में 2019 में चुनावी भाषण में मोदी सरनेम वालों को चोर कहा था। इस पर उनके खिलाफ शिकायत की गई थी और निचली अदालत ने दो साल की सजा सुनाई थी। सर्वोच्च अदालत ने कहा कि इसमें कोई शक नहीं कि भाषण में जो कुछ कहा गया, वह अच्छा नहीं था। राहुल इसका ध्यान रखें। जनता के बीच बोलते हुए नेताओं को सावधानी बरतने की बात भी की। इस फैसले से राहुल, उनके समथर्कों समेत उनकी पार्टी कांग्रेस ने राहत की सांस ली। सांसदी जाने के बाद से चल रही जुबानी व सोशल मीड़िया में छींटाकशी अभी भी जारी है। अंतिम फैसले के बाद स्पष्ट हो सकेगा कि वह अगला चुनाव भी लड़. सकते हैं। अब वह मौजूदा सत्र में शामिल होंगे और संसद सदस्य को मिलने वाला बंगला उन्हें पुनः मिल सकता है। अदालत ने मामले को राजनीतिक ना बनाने की हिदायत दी है। नेताओं के खिलाफ इस तरह की शिकायतें अक्सर विरोधियों द्वारा दर्ज कराई जाती हैं। मगर सबसे बड़ा विपक्षी दल और सबसे पुरानी पार्टी के जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधि के साथ हुए इस बर्ताव को राजनीति से ज्यादा जोड़ा गया। नेताओं को अपने भाषणों, सार्वजनिक बातचीत व बयानों में इन बातों का खास ख्याल रखना चाहिए। वे जनता के प्रतिनिधि ही नहीं होते, बल्कि समाज में मानक भी स्थापित करते चलते हैं। राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के साथ व्यावहारिकता व नैतिकता का भी सम्मान किया जाना जरूरी है। इधर के कुछ सालों में राजनीति में आ रही गिरावट का यह छोटा सा नमूना है। जनता जनार्दन व समर्थकों को प्रभावित करने के लोभ में स्तरहीन बातें करने में नेता सकुचाते नहीं। यह फैसला उन तमाम राजनेताओं को सीख देने वाला साबित हो सकता है जो बयानबाजी व कटाक्ष करने के महारथी हैं। एक तो खिलाफ बोलने में शालीनता रखें, दूसरे विपक्ष को सबक सिखाने सरीखा ओछापन लाने से बाज आएं क्योंकि आने वाले वक्त में ये दोनों ही फैसले अपने तईं ऐतिहासिक साबित हो सकते हैं।

जनता की कमाई पर अधिकारियों की ऐश, कागजों पर आंकड़ों की जादूगरी

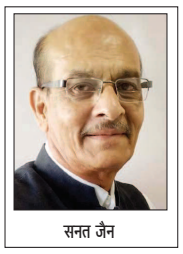

सनत जैन

भारत सरकार रूस से 90 लाख मैट्रिक टन गेहूं खरीदने जा रही है। रूस से गेहूं आयात का क्या कारण है। भारत रूस से गेहूं खरीदेगी तो उसे भुगतान भी करना होगा। भारत सरकार का आयात और निर्यात मे असंतुलन बहुत ज्यादा हो गया है। निर्यात कम है, आयात ज्यादा है। विदेशी मुद्रा का संकट भी बढ़ता जा रहा है। इसके बाद भी रूस से गेहूं जैसी वस्तु आयात की जा रही है। अभी तक हम गेहूं के निर्यात की बात करते थे। देश में सरकारी खरीद में जो अनाज उत्पन्न होता है। हर साल दो करोड़ 10 लाख मेट्रिक टन अनाज भंडारण की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण बर्बाद हो जाता है। बड़े-बड़े अधिकारी और कृषि मंत्रालय से जुड़े हुए अधिकारी कागजों पर गेहूं का रकबा घटाने और बढ़ाने का खेल कागजों में करते हैं। सरकारी खरीद के माध्यम से गेहूं और अन्य अनाजों का जो भंडारण किया जाता है। खरीदी के बाद उसका सही तरीके से भंडारण नहीं हो पाता है। खेतों में ही रखा रखा सड जाता है। गोदाम में भी गेहूं, चावल एवं अन्य अनाज सड़ने की शिकायत हर साल समाचार पत्रों में देखने को मिलती हैं। इसके बाद भी जनता के पैसे से, किसान के श्रम से,धरती मैया की कोख से जो अनाज उत्पन्न होता है। जो अनाज लाखों करोड़ों लोगों की भूख को शांत करता है। सरकार और उनके अधिकारी उसको सुरक्षित भी नहीं रख पाते हैं। अनाज खराब हो जाने पर उनके ऊपर कोई जिम्मेदारी भी नहीं आती है। जनता के पैसे से ऐश करने के लिए आयात और निर्यात का खेल पिछले दो दशक से भारत में बड़े पैमाने पर शुरू है। जब फसल आती है, उस समय उसका रखरखाव नहीं किया जाता है। करोड़ों टन अनाज बर्बाद हो जाता है। उसके बाद आयात और निर्यात का खेल कर बड़े पैमाने पर अवैध कमाई करने का धंधा जोरों पर है। अधिकारियों की लापरवाही और गैर जिम्मेदारी से लाखों टन अनाज, सुरक्षित तरीके से भंडारण नहीं करने पर सड़ जाता है। सड़ता कम है, जानबूझकर सड़ाया जाता है? अनाज सड़ा हुआ बताकर करोड़ों अरबों रुपए का वारा न्यारा, इस प्रक्रिया से जुड़े हुए अधिकारी और कर्मचारियों द्वारा किया जाता है। हर साल नए नए तरीके के आंकड़े आ जाते हैं। अधिकारी अपनी सुविधा के अनुसार ऑफिस में बैठकर कागजों पर आंकड़ों की खेती कर लेते हैं। सरकार भी उन आंकड़ों के आधार पर निर्णय करती है। हाल ही में रूस से गेहूं आयात का जो निर्णय सरकार ने लिया है। वह चौंकाने वाला निर्णय है। पहले सरकार गेहूं का निर्यात करती है। बाद में आयात करती है। भारत में इतने वर्षों के बाद भी अनाज, फल, सब्जी, तिलहन, दलहन के भंडारण की व्यवस्था अच्छी हो। इसकी तरफ अधिकारियों और सरकार का ध्यान नहीं होता है। एक ओर वेयरहाउस खाली पड़े रहते हैं। खुले में भंडारण किया जाता है। जानबूझकर अनाज और खाद्यान्न को सड़ाकर धरती मैया और धरती पुत्रों का अपमान करने की यह परम्परा खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। सरकार के आंकड़ों की जादूगरी भी इस फजीवाड़े में बड़ा योगदान है। सरकारी आंकड़ों में 2022 का गेहूं का उत्पादन 107.7 मिलियन मेट्रिक टन था। जो इस वर्ष बढ़कर 112.7 मिलियन मेट्रिक टन हो गया। विदेशी न्यूज एजेंसी रायटर्स का दावा है, कि वास्तविक उत्पादन सरकारी अनुमान से 10 फीसदी कम हुआ है। जिसके कारण भारत सरकार को गेहूं का आयात करना पड़ रहा है। राइटर्स के अनुसार भारत को जितने गेहूं की आवश्यकता भारत की आंतरिक जरूरत के लिए है। भंडारण में भारत के पास गेहूं का भंडारण जरूरत के अनुसार ही है। गेहूं का रिजर्व भंडार पहले की तुलना में बहुत कम हो गया है। जिसके कारण भारत सरकार की चिंता बढ़ गई है। सरकारी अनुमान के अनुसार वर्ष 2023-24 में 330 मिलियन मेट्रिक टन खाद्यान का उत्पादन होगा। भारत की सकल भंडारण क्षमता मात्र 44 फीसदी है। खाद्यान्न में सरकारी आंकड़ों की जो जादूगरी हो रही है। जो अव्यवस्था जानबूझकर बनाई गई है। उसका सारा भार आखिरकार जनता के ऊपर ही पड़ रहा है। एक ओर किसानों से अनाज की खरीदी न्यूनतम समर्थन मूल्य पर सरकार शत-प्रतिशत नहीं करती है। किसानों के पास भंडारण का कोई इंतजाम नहीं होता है। उत्पादन लागत से कम कीमत में किसान अपनी फसल बेचने के लिए विवश होता है। जैसे ही फसल बाजार में बिक जाती है। उसके बाद दाम बढ़ने शुरू हो जाते हैं। जून माह में भारत की मंडियों में गेहूं का औसत थोक दाम रुपये 2663 रुपये प्रति क्विंटल था। जो अब बढ़कर 3000 से 4000 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गया है। सरकार द्वारा खाद्यान्न भंडारण की पर्याप्त क्षमता होने के दावे, बड़े जोर शोर से किए जाते हैं। किंतु इसके बाद भी हर साल लाखों टन अनाज खेत और भंडारण के दौरान खराब हो जाने के समाचार सुर्खियों में रहते हैं। समय-समय पर इसमें स्टॉक की गड़बड़ी कर भारी भ्रष्टाचार करने के समाचार भी बड़े आम हैं। आंकड़ों की जादूगरी करके एक और भ्रष्ट अधिकारी और शासन तंत्र से जुड़े हुए लोग अरबों-खरबों रुपए का हर साल भ्रष्टाचार करते हैं। वहीं जनता को दोनों तरफ से लूटा जाता है। सरकारी खजाने से जो राशि खर्च होती है। उसका भार भी जनता पर आता है। खराब भंडारण के कारण जो नुकसान होता है। उसका भी खामियाजा आम जनता को ही भुगतना पड़ता है। हम अपने देश में उत्पादित खाद्यान्न को यदि सुरक्षित नहीं रख पा रहे हैं। यह सरकार की सबसे बड़ी भूल और असफलता मानी जानी चाहिए। यदि हम अनाज से 139 करोड़ जनसंख्या का पेट नहीं भर पाएंगे। तो अन्य कोई भी विकास हमारे किसी काम का नहीं होगा। यह सरकार को ध्यान में रखना होगा।

चिंतन-मनन

ध्यान से खुल जाते हैं आत्मा के सारे चक्र

उपदेशों और सिद्धांतो की इतनी भरमार है कि परमात्मा को अर्थात अपने जीवन के परम लक्ष्य को ढूंढना घास में से सुई खोजने के बराबर हो गया है। कुछ लोगों के लिए आध्यात्मिकता, माया से मुक्त होने का साधन है तो कुछ लोगों के लिए यह तप और भक्ति से भी अधिक उच्च स्तर का मार्ग है। भले ही परमलक्ष्य तक पहुंचने के विभिन्न मार्ग क्यों न हों, लेकिन योग उनमें किसी प्रकार का भेद नहीं करता। एक योगी के लिए यह संपूर्ण सृष्टि किसी नाटक के समान है। चरित्रों और दृष्यों से प्रभावित हुए बिना इस नाटक का अनुभव करना ही परम उद्देश्य है। आवश्यकता कर्म से ऊपर उठने की है। कृष्ण ने अपनी लीला से इस महत्व को समझाया कि नाटक के मोह में नहीं बंधना है। न ही इससे प्रभावित होना है। यही निष्काम कर्म है। जो सुख- दुख से परे रखता है। मनुष्य में आध्यात्मिक उत्थान की प्रक्रिया शुरू होती और आगे बढ़ती है तो आत्मा विभिन्न चप्रों और जीवन के पहलुओं से होते हुए निरंतर आरोहण करने लगती है। जीवन में भौतिक शरीर की मूल आवश्यकताओं और इच्छाओं से ऊपर उठते हुए उच्चतम शिखरों को छूते हुए अंत में स्वयं से और इस संसार से भी ऊपर उठना होता है। सनातन क्रिया में अष्टांग योग के आठों अंग पूर्णतया सम्मिलित हैं। गुरु के सानिध्य में इस क्रिया को करने से निम्न चप्रों से आज्ञा चप्र व उससे आगे तक पहुंचने का मार्ग स्पष्ट हो जाता है। किसी युग में चप्रों पार करने और अंतिम स्थिति तक तक पहुंचना आसान रहा होगा पर आज हम जिस युग में रह रहे हैं, उसमें ऊंचाई तक पहुंचने के लिए प्रचंड पुरुषार्थ करने की जरूरत रहती है। शास्त्रों और उन्हें जानने वाले ज्ञानीजनों के अनुसार कलियुग के इस अंतिम चरण में हम सब में से अधिकतर व्यक्ति स्वाधिष्ठान के स्तर पर ही अटके हुए हैं। कुछ ही अनाहद तक पहुंच सके हैं और उससे भी कम विशुद्धियां तक का मार्ग तय कर पाए हैं। जो आज्ञा चप्र तक पहुंच चुके हैं, उन्हें आनंद की अनुभूति हो चुकी है और वे दिव्य शक्ति के साथ एक हो चुके हैं। वे गहन चिंतन के साथ अनंत आनंद की अवस्था में हैं। आज्ञा चप्र तक पहुंचने के लिए विभिन्न युगों में कठिन और प्रखर साधन करने होते थे। इस युग में स्थितियां ऐसी नहीं है कि कठिन साधनाएं की जा सकें। एक ध्यान ही ज्यादा समर्थ है। आज्ञा चप्र तक पहुंचने और इसे जागृत करने में भी यही उपाय काम आता है।

रेलवे : बे-पटरी होती व्यवस्था

सुशील देव

दो होली-दिवाली है तो गांव जाएंगे। छठ है तो गांव जाएंगे ही। शादी-ब्याह, मरनी-हरनी में भला जाना कैसे रुक सकता है? सगे-संबंधियों या दोस्तों के घरेलू समारोहों में भी कई बार शिरकत करने के लिए गांव जाना पड़ता है। हारी-बीमारी की बात ही अलग है।' इन हालात में उत्तर प्रदेश और बिहार की ट्रेनों में जबर्दस्त भीड़ क्यों होती है! कभी सोचा है आपने? हमें लगता है, वहां के लोग हर मौके पर शामिल होने की कोशिश करते हैं। इसलिए यात्रा के संघर्ष की परवाह नहीं करते। खर्च से भी पीछे नहीं हटते। दिवाली-छठ अभी चार महीने दूर हैं, लेकिन उनकी सारी सीटें फुल हो चुकी हैं। वैसे तो बिहार की किसी भी ट्रेन में हमेशा ही टिकटों का टोटा रहता है।

घनी आबादी वाले इन दोनों राज्यों के ज्यादातर लोग दिल्ली, मुंबई, कोलकाता जैसे मेट्रो शहरों में नौकरी करने जाते हैं, और विभिन्न अवसरों पर अपने गांव जाना भी नहीं भूलते। शायद एक वजह यह भी है कि यूपी-बिहार की ट्रेनों में इतनी जबरदस्त भीड़ देखी जाती है। कोरोना काल में इसकी मिसाल आप देख ही चुके हैं। अच्छी बात यह है कि इन राज्यों के रूटों से रेलवे की आमदनी कम नहीं होती लेकिन आप किसी भी समय, किसी भी सीजन में ट्रेन की टिकट लेते हैं, तो आपको अक्सर वेटिंग लिस्ट का सामना करना पड़ता है। यूपी-बिहार की ट्रेनों से इतनी कमाई होने के बावजूद रेलवे के नुमाइंदे महज यह कह कर पल्ला झाड़ लेते हैं कि भीड़ की वजह से व्यवस्थाएं दुरुस्त नहीं रह पातीं। यह जवाब उतना ही गैर-जवाबदेह लगता है जितना किसी अच्छी चलती हुई मिठाई की दुकान से पूरे पैसे देने के बावजूद आपको घटिया मिठाई खाने को मिल जाती है। देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करते हुए रेल महकमे को इस पर गंभीरतापूर्वक सोचने की जरूरत है।

लोग उदाहरण देते हैं कि साउथ इंडिया में ऐसा नहीं है। आखिर, वजह क्या है? क्या वहां का प्रशासन सख्त हो जाता है, या वहां के लोगों की नैतिकता इतनी मजबूत है कि वे किसी की सीट पर बैठते नहीं हैं। यहां भीड़-भाड़ का मसला है, तो नॉर्थ इंडिया में ट्रेनें ज्यादा क्यों नहीं हैं, उसके फेरे क्यों नहीं बढ़ाए जाते? सरकार इस तरह की योजना क्यों नहीं बनाती कि भीड़ कम हो सके। दैनिक यात्री या एमएसटी पासधारकों की अलग व्यवस्था का सख्ती से पालन क्यों नहीं किया जाता? आज ट्रेनों में भीड़, बोगी के भीतर अव्यवस्था, प्लेटफार्म पर अराजकता, रेल व्यवस्था या प्रबंधन पर कई सवाल उठते रहते हैं। आये दिन फोटो, वीडियो, अखबारों और टेलीविजन के अलावा सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं, जिसे दोहराना उचित नहीं। मगर यह सच है कि सुपरफास्ट ट्रेनों में भी इन रूटों पर किसी कायदे-कानूनों का पालन नहीं किया जाता। गरीब एवं निम्न मध्यमवर्गीय यात्रियों के लिए बने स्लीपर क्लास की हालत जनरल बोगी से भी बदतर हैं। उनमें इतनी अधिक भीड़ हो जाती है कि रिजर्व सीट का कोई मतलब नहीं रह जाता। रात को यदि आप लेटना भी चाहें तो आराम से लेट नहीं सकते। आपके सिर से पैर तक किसी भी बर्थ पर यात्री जबरदस्ती बैठते हैं। पैर रखने की तक की जगह नहीं होती। फर्श पर औरत-मर्द और बच्चे रातों को बिछ जाते हैं। नतीजतन, आप टॉयलेट तक नहीं जा पाते। 2009 में अमृतसर जा रही एक ट्रेन में एक यात्री देवकांत भीड़ की वजह से अपनी बोगी के बाथरूम तक नहीं जा पाए थे, जिसके कारण उन्हें बहुत दिक्कत आई। शिकायत के बाद रेलवे को उन्हें हजार्ना देना पड़ा था।

यदि आप किसी तरह बाथरूम तक पहुंच भी जाते हैं तो उसकी गंदगी और बदबू आपको नर्क की याद दिला देगी। गर्मी का मौसम हो तो आपकी सांसें भी अटक सकती हैं। स्लीपर बोगी में अक्सर भीड़ इतनी अधिक हो जाती है कि लोग खिड़कियों से घुसने लगते हैं। यात्री बच्चों को लगेज की तरह फेंकने लगते हैं। बूढ़े-बुजुर्गों और महिलाओं को भी उसी खिड़की से ठूस दिया जाता है। इस वजह से कई यात्री बेहोश हो जाते हैं। थर्ड एसी में भी अब कोई राहत नहीं। उसमें भी दबंग और जुगाड़ किस्म के यात्री घुस जाते हैं, और सीट पर बैठे यात्रियों की परेशानी बढ़ा देते हैं। दुख इस बात का है कि इन व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के लिए पूरी ट्रेन में अनमने ढंग से कभी-कभार कोई टीटी या सुरक्षाकर्मी नजर आते हैं, जो इन असुविधाओं को नजरअंदाज करते हुए चले जाते हैं। शिकायतों पर कुछ कार्रवाई जरूर होती है, मगर कौन इस पचड़े में पड़े, यह सिरदर्दी मोल ले, यह सोचकर, अक्सर सफर के दौरान भला परिवार विरोध करने की जहमत नहीं उठाते। जाहिर है भीड़, भेड़ियाधसान बन जाता है, जो कभी-कभी बड़ा संकट भी खड़ा कर देता है। मगर रेलवे के कानों तक जूं नहीं रेंगती। अच्छी कमाई के बावजूद रेलवे ग्राहकों के लिए उचित सुविधाएं नहीं दे पा रही है। कसूरवार कौन है? देश को समझना होगा।

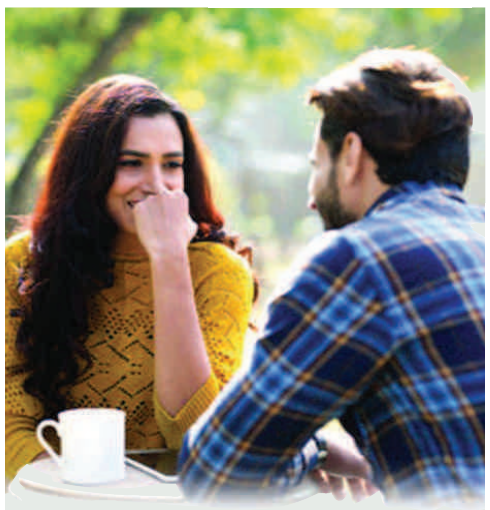

शादीशुदा जिंदगी में इन बातों को करें फॉलो

लड़ाई-झगड़ा, प्यार-मोहब्बत, हर रिश्ते में होना लाजमी है। लेकिन अगर ये झगड़ा बहुत ज्यादा होने लगे तो ये अच्छा नहीं होता क्योंकि इससे रिश्ते टूट सकते हैं। किसी भी रिश्ते में लड़ाई होना बेहद खराब है, हां हल्की-फुल्की नोक झोंक तो हर घर में होती है, पर जब ये ज्यादा होने लगे तो खतरे की घंटी साबित हो सकती है। अगर आपके रिश्ते में ऐसा कुछ हो रहा है तो आप कुछ टिप्स फॉलो कर सकते हैं। आइए, जानते हैं-

विश करें

तो क्या हुआ कि आपकी शादी को कई साल हो चुके हैं, प्यार को बरकरार रखने के लिए आपको हर चीज करनी चाहिए। भले ही आप दोनों के उठने का समय अलग है लेकिन आप दोनों को सुबह एक दूसरे को गुड मॉर्निंग विश करना चाहिए। साथ ही रात में सोने पर भी आपको गुड नाइट विश करके सोना चाहिए। ये एक अच्छी आदत होने के साथ-साथ आपके रिश्ते को जीवित रखने में मदद करता है।

फूल

फूल किसे पसंद नहीं होते, इन दिनों फेस्टिव सीजन है तो यकीनन आपकी वाइफ भी रोजाना अच्छे से तैयार होती होंगी। ऐसे में उनको आप फूल दे सकते हैं। वह इसे अपने बालों में लगा सकती है और ये सच में काफी रोमांटिक होगा।

तारीफ

एक दूसरे की तारीफ करें। आप अपने पार्टनर की किसी फोटो या फिर वो दिन भर कैसी लग रही थी इस बात की तारिफ करें। रोजाना आप दोनों मेहनत करते हैं तो ऐसे में एक दूसरे के काम की तारीफ भी कर सकते हैं।

हाई हील पहनने की हैं शौकीन, पूरे दिन पहनकर रखने के लिए अजमाएं ये हैक्स

हील्स पहनना अधिकतर महिलाओं को पसंद होता है। हील्स पहनने के लिए किसी भी परफेक्ट आउटफिट पहनने की जरूरत नहीं होती, बल्कि किसी भी लुक को परफेक्ट बनाने के लिए आप हील्स पहन सकते हैं। हील्स की एक खासियत यह भी है कि यह पैरों को ज्यादा लंबा दिखाते हैं, जिससे आपका लुक और भी ज्यादा अट्रैक्टिव लगता है। हाई हील्स के साथ एक समस्या यह होती है कि यह बहुत ज्यादा देर तक आपको कंफर्टेबल महसूस नहीं करवाते हैं। इसलिए अगर आप ऑफिस में या फिर किसी मैरिज फंक्शन आदि में पहन रही हैं तो हो सकता है कि आपको पैरों में दर्द का एहसास होने लगे। तो जानते हैं हाई हील्स से जुड़े कुछ हैक्स के बारे में।

हैक 1

डबल टेप का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसे आप तलवे से चिपका दें। यह ट्रिक आपके फुटवियर को पैरों पर ज्यादा आरामदायक तरीके से रखेगी। साथ ही इसके कारण होने वाले फफोले और पैर की उंगलियों में दर्द काफी हद तक कम हो जाएगा।

हैक 2

हील्स में आप इनसोल्स का इस्तेमाल कर सकती हैं। ये सिलिकॉन या कपड़े से बने होते हैं। यह आपके पैरों को हाई हील्स में आगे बढ़ने से रोकते हैं, साथ ही आरामदायक भी होते हैं।

हैक 3

पार्टी में अक्सर हील्स उतारने का मन करता है, लेकिन आप ऐसा करने से बचें क्योंकि जब आप हील्स उतारते हैं तो उस पल तो आपको राहत मिल जाती है लेकिन कई बार ऐसा करते ही पैरों में सूजन आ जाती है और फिर जब आप हील्स दोबारा पहनती हैं तो पैरों में ज्यादा दर्द होता है।

हर लड़की को सीखनी चाहिए ये चीजें

यूं तो आज लड़कियां लड़कों से किसी भी क्षेत्र में कम नहीं हैं। घर की जिम्मेदारियों से लेकर बाहर पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करने तक में, उन्होंने अपनी मेहनत और लगन से अपने लिए एक खास जगह बनाई है। बावजूद इसके आज जानते हैं वो 5 चीजें जिन्हें होम मेकर हो या कोई प्रोफेशनल लड़की, जरूर सीखना चाहिए।

घर की जिम्मेदारियों से लेकर बाहर पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करने तक में लड़कियों ने अपनी मेहनत और लगन से अपने लिए एक खास जगह बनाई है।

अकाउंट्स मेनटेन रखना

घर संभालना हो या फिर बाहर रहकर नौकरी करते हुए अपने खर्चों को करना हो मैनेज, लड़कियों को अपने फाइनेंशियल डिसीजन खुद लेने आने चाहिए। इसके लिए उन्हें सबसे पहले अपना अकाउंट्स मेंटेन करना जरूर आना चाहिए। आप ऐसा करते हुए आप अपने खर्चों पर भी खुद नजर रख पाएंगी। इसके अलावा लड़कियों को समय पर टैक्स रिटर्न भरना भी जरूर सीखना चाहिए। अपने रिटायरमेंट प्लान से लेकर सेविंग्स तक की प्लानिंग के लिए अपने पैसे को समझदारी से इन्वेस्ट करें।

साइन करने से पहले हर कागज को अच्छे से पढ़ें

ज्यादातर लोग अक्सर किसी डॉक्यूमेंट या कागज को बिना पढ़े ही साइन कर देते हैं। आपकी ये आदत आपको भविष्य में नुकसान पहुंचा सकती है। लड़कियों का मन कोमल होता है। आपका किसी पर विश्वास करना उचित है बावजूद इसके आपको समझदारी से काम लेना भी आना चाहिए। ऐसे में कभी भी किसी भी लीगल या जरूरी डॉक्यूमेंट्स पर साइन करने से पहले उसे जरूर अच्छे से पढ़ें।

बेसिक सेल्फ डिफेंस स्किल्स

वक्त चाहे कोई भी क्यों न हो, आप अपनी किस्मत को आजमाने के लिए रात या दिन का इंतजार थोड़े ही करेंगे। रात हो या दिन, आपको अपनी सुरक्षा के लिए बेसिक सेल्फ डिफेंस मूव्स जरूर आने चाहिए ताकि आप मौका पड़ने पर किसी भी जगह सुरक्षित रह सकें। आप इसके लिए वीकेंड पर सेल्फ डिफेंस कोर्स कर सकती हैं।

सिग्नेचर डिश

हर व्यक्ति अपनी किसी न किसी खासियत की वजह से लोगों के बीच पहचाना जाता है। ऐसे में आप भी अपनी किसी सिग्नेचर डिश की वजह से लोगों के बीच फेमस हो सकते हैं। जब आप डिनर या पार्टी के लिए लोगों या दोस्तों को अपने घर बुला रही हैं तो मेन्यू में आपकी एक सिग्नेचर डिश तो होनी ही चाहिए जिसका स्वाद वो सालों-साल याद रखें।

कार का टायर बदलना

अक्सर लोगों को लगता है कि गाड़ी का टायर बदलने का काम सिर्फ लड़के ही अच्छा कर सकते हैं। लेकिन अगर आप भी ड्राइव करती हैं तो यह काम आपको भी जरूर सीखना चाहिए वरना आप कभी भी मुश्किल में पड़ सकती हैं।

डेटिंग प्रोफाइल के लिए फोटो चूज करने में इन टिप्स की लें मदद

ऑनलाइन डेटिंग करना मुश्किल हो सकता है। ऐसे में जब आप ऑनलाइन प्रोफाइल को सेट करते हैं तो आप पूरी तरह से सभी कुछ बेस्ट करने की कोशिश करते हैं। जिसे देख आसानी से कोई भी इंप्रेस हो जाए। हालांकि आपको इस बात को ध्यान में रखना चाहिए कि आपके प्रोफाइल का बायो पूरी तरह से आपको डिस्क्राइब करना चाहिए। अगर आप ऐसा करते हैं तभी आप ज्यादा से ज्यादा मैच पा सकते हैं। इन सभी के साथ ये भी जरूरी है कि आप एक सही प्रोफाइल फोटो चूज करें। ऐसे में आप जब भी डेटिंग प्रोफाइल फोटो चूज करें तो कुछ बातों को ध्यान में रखें। तो चलिए जानते हैं कुछ टिप्स के बारे में जिनकी मदद से आप अपनी प्रोफाइल फोटो सेट कर सकत हैं।

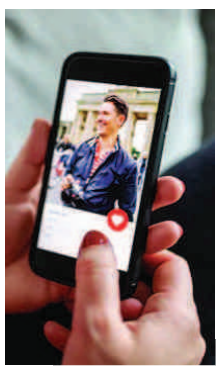

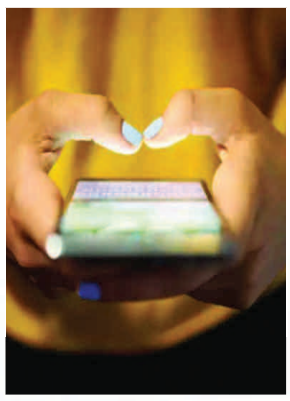

टिप 1

ऐसी फोटो चूज न करें जिसमें आपका चेहरा क्लीयर न हो, या फिर आपका चेहरा दिख ही न रहा हो। ये फोटो अच्छा ऑप्शन नहीं होगा क्योंकि सामने वाले को आपकी फोटो ही नहीं दिखेगी। ऐसी फोटो चुने जिसमें आप पूरी तरह से दिख रहे हों।

टिप 2

कई बार लोग डेटिंग एप पर ग्रुप फोटो लगाते हैं, ऐसे में सामने वाले को ये कंफ्यूजन हो सकता है कि प्रोफाइल किसकी है। तो ध्यान रखें की फोटो सिर्फ आपकी हो न की ग्रुप फोटो हो।

टिप 3

ऑनलाइन डेटिंग एप पर अगर आप फोटो स्लेक्ट कर रहे हैं तो ऐसी फोटो लगाएं जो आपको डिस्क्राइब करे। अगर आपको कैंपिंग पसंद है तो आप कैंपिंग की फोटो लगा सकते हैं या फिर अगर आपको बुक्स पढ़ना पसंद है तो किसी लाइब्रेरी की फोटो लगा सकते हैं।

टिप 4

एक ऐसी फोटो लगाएं जिसमें आप कॉन्फिडेंट नजर आ रहे हैं। कई बार लोग अपने कपड़ों के साथ कॉन्फिडेंट नहीं होते हैं फिर भी उन कपड़ों में वह प्रोफाइल फोटो लगा सकते हैं।

कहीं आपकी चांदी की ज्वेलरी नकली तो नहीं है? ऐसे जानें

सोना और प्लेटिनम की तरह ही चांदी भी एक लोकप्रिय धातु है। आमतौर पर लोग सोने और चांदी के गहने पहनना पसंद करते हैं और वास्तव में चांदी के गहने दिखने में खूबसूरत भी लगते हैं। जब बात चांदी के गहनों को आती है तो लोग मुख्य रूप से इसकी पायल और बिछिया पहनते हैं। चांदी एक कीमती धातु है जो बहुतायत में पाई जाती है और इसका उपयोग गहनों के अलावा पूजा के सिक्के, सजावटी सामान, मूर्तियां और अन्य टिकाऊ वस्तुएं जैसे बर्तन बनाने के लिए भी किया जाता है।

यह एक नरम धातु है और यदि आप अपनी चांदी से बनी चीजों की उचित देखभाल करते हैं, तो यह लंबे समय तक नए जैसी बनी रहती हैं। चाहे आप चांदी के झुमके की एक जोड़ी खरीदें या स्टर्लिंग चांदी से बनी चांदी की अंगूठी और पायल, यदि आप इसकी अच्छी देखभाल करेंगी तो या सालों साल नयी जैसी बनी रहेंगी। लेकिन देखभाल के साथ आपके लिए इन्हें खरीदते समय इस बात का ध्यान रखना भी जरूरी है कि आप जो चांदी खरीद रही हैं वो असली और शुद्ध है या नहीं। वास्तव में यदि आप नकली चांदी खरीदेंगी के बाद भी ये जल्दी ही खराब होने लगती है। आइए जानें कि आप किन युक्तियों से इस बात का पता आसानी से लगा सकती हैं कि आपकी चांदी असली है या नहीं।

लेबल की जांच करें

चांदी की वस्तु असली है या नकली यह जांचने के लिए आभूषण पर लेबल की जांच करना। यदि उस पर एक छोटा लेबिल है जिसमें स्टर' या 'स्टर्लिंग' प्रिंट है, तो इसका मतलब है कि वस्तु

चांदी या चांदी चढ़ाया हुआ। जब भी चांदी की वस्तुओं को अंतरराष्ट्रीय या घरेलू स्तर पर बेचा जाता है, तो एक हॉलमार्क ट्रेड स्टैम्प होता है जो धातु को प्रमाणित करता है। किसी दुकान से चांदी की वस्तु खरीदने से पहले, हमेशा 'स्टर्लिंग' के मानक स्टैंप की जांच जरूर करें।

मैग्नेट टेस्ट

मैग्नेट का उपयोग करके यह जांचने का एक और अच्छा तरीका है कि आपने जो चांदी खरीदी है वह असली है या नकली। यदि आपके घर में कोई भी चुम्बक पड़ा हुआ है, तो आप इसका उपयोग

प्रदर्शित करती है। इसके लिए एक मैग्नेट का प्रयोग करें और उसे चांदी की वस्तु के करीब लाएं जिसे आप जांचना चाहते हैं और देखें कि क्या यह मैग्नेट से मजबूती से चिपकती है। यदि ऐसा है तो समझ लें कि ये असली चांदी नहीं है।(मोतियों की ज्वेलरी की ऐसे करें केयर)

आइस क्यूब टेस्ट

चांदी के शुद्ध होने या न होने की जांच करने का एक और आसान तरीका बर्फ के टुकड़े का उपयोग करना है। यह विधि चांदी के सिक्कों और अन्य चांदी की वस्तुओं के सपाट सतहों के परीक्षण के लिए आदर्श है। चांदी के सिक्के या गहनों पर आइस क्यूब रखें। यदि आइस क्यूब जल्दी पिघलती है, तो आपके पास जो चांदी की वस्तु है वह असली है। दरअसल चांदी में किसी सामान्य धातु की तुलना में अत्यधिक मात्रा में थर्मल कंडक्टिविटी होती है जो बर्फ को तुरंत पिघला देती है।

वजन परीक्षण

चांदी अधिकांश धातुओं की तुलना में ज्यादा हैवी होती है। इस धातु के वजन में एक विशिष्ट व्यास और मोटाई होती है । यदि चांदी का वजन कम होता है, तो यह स्टर्लिंग चांदी के बजाय हल्के चांदी के मिश्र धातुओं से बनी हो सकती है। यदि इसका वजन अधिक है, तो

आमतौर पर चांदी की परत वाली वस्तुओं की तुलना में ठंडी होती है और चमकदार होती है।

ब्लीच टेस्ट

चांदी की धातु की प्रामाणिकता की जांच के लिए ब्लीच का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। बस चांदी की वस्तु पर ब्लीच की एक बूंद डालें। ब्लीच जैसे ऑक्सीडाइजिंग केमिकल के संपर्क में आने के बाद अगर यह धूमिल हो जाए तो यह असली चांदी है। ब्लीच के संपर्क में आने पर असली चांदी तुरंत काली हो जाएगी जबकि नकली धातु पर ब्लीच का कोई असर नहीं होता है। लेकिन

हिस्से में ही ब्लीच डालें।

इन सभी युक्तियों से आप अपनी चांदी के गहनों की जांच कर सकते हैं और ये पता लगा सकते हैं कि चांदी असली है या नकली।

9 को प्रदेश भर में 'पंच प्रण' की शपथ दिलाएगी योगी सरकार

सीएम की मंशा के अनुरूप, शपथ दिलाकर उत्तर प्रदेश में 'मेरी माटी, मेरा देश' और 'हर घर तिरंगा' अभियान की होगी शुरूआत

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को 'उत्तम प्रदेश' बनाने के लिए प्रयासरत योगी सरकार ने स्वतंत्रता दिवस संबंधी कार्यक्रमों के आयोजन का आगाज वृहद स्तर पर करने की तैयारी पूरी कर ली है। भारत के सभी राज्यों में फिलहाल आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है, ऐसे में, केंद्र सरकार की 'मेरी माटी, मेरा देश' और 'हर घर तिरंगा' अभियान को उत्तर प्रदेश में भी बड़े स्तर पर आयोजित करने की रूपरेखा तय कर रखी है। सीएम योगी की मंशा के अनुरूप, स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इन कार्यक्रमों की शुरूआत 9 अगस्त से वृहद स्तर पर होगी और पहले चरण में 'पंच प्रण' के जरिए स्वाधीनता की अलख पूरे प्रदेश में जगाई जाएगी। यह आयोजन कितना वृहद होगा इसका अनुमान इसी बात से लगाया जा सकता है कि प्रदेश के सभी गांवों, ग्राम पंचायतों, नगर निकायों, ब्लॉक, छावनी, परिषदों, सरकारी कार्यालयों, विद्यालयों, महाविद्यालयों, निगमों समेत औद्योगिक व व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में भी सभी लोग 'पंच प्रण' से संबंधित शपथ लेंगे और देश व प्रदेश की उन्नति के लिए प्रतिबद्धता दशार्ने के साथ ही देश की स्वतंत्रता के अब तक के सफर को लेकर गर्व के भाव की अनुभूति कर सकेंगे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र द्वारा सभी सरकारी विभागों समेत हर स्तर पर निर्देश दिए जा चुके हैं। साथ ही, सभी सरकारी विभागों को भारत सरकार की वेबसाइट merimaatimer-adesh.gov.in पर संबंधित सेल्फी अपलोड करने के निर्देश दिए गए हैं। यह आयोजन किस प्रकार होना है इसके लेकर भी पहले ही विस्तृत कार्ययोजना व निर्देश मुख्य सचिव द्वारा दिए जा चुके हैं। केंद्र सरकार की ओर से पंच प्रण की जो अवधारणा तय की गई है, उसके अनुसार कुल 5 लक्ष्यों को प्रण के रूप में तय किया गया है। इसके अंतर्गत 'विकसित भारत का लक्ष्य, गुलामी के हर अंश से मुक्ति, अपनी विरासत पर गर्व, एकता व एकजुटता तथा नागरिकों में कर्तव्य की भावना' ये वो लक्ष्य हैं जिनको लक्षित करके पंच प्रण की अवधारणा को अंगीकार किया गया है। ये शपथ देश के सभी नागरिकों में स्वाधीनता की भावना विकसित करने और देश की उन्नति को गति देने के लिए सभी के अंदर जज्बा विकसित करने का काम करेगी। जो शपथ प्रदेश भर में दिलाई जाएगी इसका भी एक प्रारूप जारी किया गया है। उल्लेखनीय है कि आजादी के 75वें वर्ष में 75 सप्ताह तक चलने वाले इस कार्यक्रम का समापन 29-30 अगस्त, 2023 को नई दिल्ली के कर्तव्य-पथ पर किया जाना प्रस्तावित है। -मैं शपथ लेता हूं कि विकसित भारत के निर्माण में अपनी भागीदारी निभाऊंगा। मैं शपथ लेता हूं कि गुलामी की मानसिकता से मुक्ति के लिए हर संभव प्रयास करूंगा। -मैं शपथ लेता हूं कि देश की समृद्ध विरासत पर गर्व करूंगा और इसके उत्थान के लिए हमेशा कार्य करता रहूंगा। -मैं शपथ लेता हूं कि देश की एकता और एकजुटता के लिए सदैव प्रयास करता रहूंगा। -मैं शपथ लेता हूं कि राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों व दायित्वों का का पालन करूंगा। -मैं शपथ लेता हूं कि मैं देश के गौरव के लिए प्राण देने वाले वीरों से प्रेरित होकर राष्ट्र की रक्षा, सम्मान और प्रगति के लिए समर्पित रहूंगा। कार्ययोजना के अनुसार, 9 से 15 अगस्त के बीच अमृत सरोवर/पंचायत भवन/ विद्यालयों/शहीद स्थलों/ अमृत वाटिकाओं/ सामुदायिक केन्द्रों में से किसी भी चयनित स्थान पर बैठकों का आयोजन किया जाएगा। ग्रामों/पंचायतों से मिट्टी-कलश अमृत यात्रा का शुभारंभ करते हुए ब्लॉक स्तर पर 16 से 20 अगस्त, 2023 तक पहुँचाये जायेंगे। एकत्रित कलशों में से एक-एक कलश प्रति ग्राम पंचायत प्रदेश की राजधानी लखनऊ तथा देश की राजधानी नई दिल्ली में आयोजित राज्य स्तर/राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों तक चयनित श्रेष्ठ प्रतिभागियों के माध्यम से पहुंचाया जाएगा। वहीं, 16 से 20 अगस्त के बीच ब्लॉक स्तर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में प्रत्येक ब्लाक पर गाँवों/ग्राम पंचायतों से संगृहीत दो मृत्तिका-कलश, क्रमशः प्रदेश की राजधानी लखनऊ व देश की राजधानी नई दिल्ली में, चयनित युवकों/युवतियों द्वारा लाया जायेगा। मुख्य कार्यक्रम के लिए नई दिल्ली व लखनऊ प्रदेश के समस्त ब्लॉकों में एकत्रित किये गए मृत्तिका कलशों को सुसज्जित वाहनों के माध्यम से 27 से 29 अगस्त, 2023 के मध्य नई दिल्ली के कर्तव्यपथ व 23 से 24 अगस्त, 2023 के मध्य प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एकत्रित किया जाएगा। देश एवं प्रदेश के सभी हिस्सों से एकत्रित की गई इस मिट्टी को अमृत वाटिका उद्यान विकसित करने के लिए उपयोग किया जायेगा। इस अमृत वाटिका में स्वदेशी प्रजातियों के 75 वृक्षों के लिए पौधारोपण किया जायेगा। इस अमृत वाटिका में देश की स्वतंत्रता/एकता/अखण्डता के लिए योगदान देने वाले सभी नायकों को समर्पित एक "आजादी का अमृत महोत्सव" स्मारक बनाया जाएगा। वहीं, शिलाफलकम, वीरों का वंदन, ध्वजारोहण, वसुधा-वंदन संबंधी कार्यक्रम भी प्रदेश में आयोजित होंगे।

संक्षिप्त डायरी

सोशल मीडिया के माध्यम से पिछड़े के समाज के घर-घर दस्तक देगा ओबीसी मोर्चा : नरेन्द्र कश्यप

संवाददाता

लखनऊ। ओ०बी०सी० मोर्चा के प्रदेश पदाधिकारियों की प्रदेश कार्यालय, लखनऊ पर दोपहर 12.00 बजे महत्वपूर्ण बैठक आहूत की गयी है भाजपा ओ०बी०सी० मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार, श्री नरेन्द्र कुमार कश्यप ने बताया कि ओ०बी०सी० मोर्चा प्रदेश व केन्द्र के निर्देश पर उ0प्र0 में पिछड़े वर्गों को भाजपा से जोड़ने के लिए सोशल मीडिया का व्यापक स्तर पर प्रयोग करने वाला है। जिसके लिए ओ०बी०सी० मोर्चा ने 20 हजार वालिंटियर तैयार करने का निर्णय लिया है । उसी क्रम में लखनऊ में सोशल मीडिया की कार्यशाला का भी आयोजन करेगा। जिसमें सम्पूर्ण प्रदेश से सोशल मीडिया के पदाधिकारी भाग लेंगे।प्रदेश भाजपा मुख्यालय पर आयोजित होने वाली प्रदेश पदाधिकारी की बैठक में क्षेत्रीय अध्यक्ष व महामंत्री एवं मीडिया व सोशल मीडिया के प्रमुख भी सम्मिलित होंगे व बैठक में पूर्व कार्यक्रमों की प्रगति रिपोर्ट एवं समीक्षा की जायेगी तथा आगामी अभियानों की योजना पर चर्चा होगी। मा0 मंत्री, श्री कश्यप ने बताया कि उ०प्र० का ओ०बी०सी० वर्ग भाजपा के साथ कन्धे से कन्धा मिलाकर खड़ा है, भाजपा के प्रति समर्पित भाव से कार्य कर रहा है। चाहे वह 2017 का चुनाव हो 2019 अथवा 2022 का चुनाव हो सभी चुनाव में ओ०बी०सी० वर्ग ने भाजपा के पक्ष में मतदान कर सपा व बसपा व कांग्रेस को बता दिया है कि पिछड़ा समाज भाजपा के साथ चट्टान की तरह खड़ा है। मंत्री कश्यप ने बताया कि सोशल मीडिया की टीम का क्षेत्र, जिला व मण्डल स्तर पर विस्तार किया जायेगा एवं केन्द्र व प्रदेश सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं का सोशल मीडिया के माध्यम से पिछड़े समाज के बीच में प्रचार-प्रसार किया जायेगा।

बिजनौर में गोली मारने वाले दो सगे भाई गिरफ्तार: आरोपियों के कब्जे से अवैध तमंचा बरामद, दोनों पक्षों में हुई थी मारपीट

संवाददाता

बिजनौर। शहर कोतवाली क्षेत्र के पेदी में फायरिंग में दो युवकों को गोली लगने के मामले में पुलिस ने आरोपी दो सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से अवैध तमंचा भी बरामद किया है। पुलिस दोनों आरोपी भाइयों को गिरफ्तार कर जेल भेजने की कवायद में जुट गई है। मामला बिजनौर शहर कोतवाली क्षेत्र के पैदी गांव का है। जहां शुक्रवार की रात को गांव के रहने वाले अशरफ की गांव के ही रहने वाले अपने भतीजे जीशान और तालिब से कहासुनी हो गई थी। विवाद बढ़ने में दोनों पक्षों में मारपीट हो गई थी। इसी दौरान जीशान ने तमंचे से फायरिंग कर दी। गोली अशरफ के बेटे आसिफ और भतीजे शानदार को लगी। दोनों की गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से आसिफ की गंभीर हालत देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। जबकि शानदार का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। घायल के पिता की तहरीर पर पुलिस ने उसके पुत्र के गोली मारने वाले असलम व उसके पुत्र जीशान और तालिब के खिलाफ केस दर्ज कर लिया था। पुलिस ने जीशान और तालिब को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उनके पास से तमंचा भी बरामद किया है। शहर कोतवाल जीत सिंह ने बताया कि दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। न्यायालय के समक्ष पेश कर जेल भेजा जाएगा।

बिजनौर एसपी ने पुलिस अफसरों व कर्मियों को किया सम्मानित

संवाददाता

बिजनौर । यूपी के सीएम के कार्यक्रम की अचूक सुरक्षा व्यवस्था और कार्यक्रम को सकुशल सम्पन्न कराए जाने व आई जी आर एस में जुलाई माह में शिकायतों के निस्तारण में जिले को प्रदेश में पहला स्थान पाने में सराहनीय भूमिका निभाने वाले पुलिस अफसरों व कर्मचारियों को एसपी ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मनित दरअसल, आज पुलिस लाइन सभागार में एक कार्यक्रम कर एसपी नीरज कुमार जादौन ने एसपी सिटी डाक्टर प्रवीन रंजन सिंह ,एसपी देहात राम अर्जव एसपी पूर्वी धर्मसिंह मार्छाल ,सी ओ सिटी अनिल सिंह सहित पुलिस अफसरों थाना प्रभारियों व कर्मचारियों को सम्मानित किया। 22 जुलाई को यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बिजनौर में भ्रमण कार्यक्रम के दौरान अचूक सुरक्षा व्यवस्था/पुलिस प्रबन्ध कराते हुए कार्यक्रम को सकुशल सम्पन्न कराने में सराहनीय भूमिका निभाने वाले पुलिस अधिकारियों/ कर्मचारियों को व माह जुलाई - 2023 में शिकायत निवारण प्रणाली -जनसुनवाई पोर्टल पर प्राप्त जनशिकायतों के निस्तारण में प्रदेश स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त करने पर जिले के सभी थाना प्रभारियों, आईजीआरएस सेल में नियुक्त पुलिस अधिकारियों/ कर्मचारियों व अन्य अफसरों को पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

हिंदू युवा वाहिनी के कार्यकताओं ने

जिहाद का पुतला फूंका

संवाददाता

धामपुर। हिंदू युवा वाहिनी धामपुर तहसील के कार्यकताओं ने हरियाणा राज्य के नूंह में हुई हिंसा के विरोध में जिहाद का पुतला फूंका । धामपुर तहसील के हिंदू युवा वाहिनी के कार्यकर्ता नेशनल पैथोलॉजी लैब पर एकत्र हुए और हिन्दू युवा वाहिनी के पूर्व मण्डल प्रभारी डॉक्टर एन,पी सिंह के नेतृत्व में नेशनल पैथोलॉजी लैब से जुलूस के रूप में और भारत माता की जय के नारों के साथ सुभाष चौक पर पहुंचे और सभी कार्यकताओं ने जिहाद का पुतला फूंका। पूर्व मंडल प्रभारी डॉ एनपी सिंह ने बताया कि हरियाणा राज्य के नूंह में जिहादियों द्वारा हिंदुओं की शोभायात्रा और जलाभिषेक के समय पत्थरबाजी गोलीबारी और बमबारी और आक्रमण करके हिन्दूओ को मारना व मंदिर में हिंदू महिलाओं के साथ छेड़छाड़ करना थाने को आग लगाना और कई पुलिसकर्मियों को मारना एक बड़ी साजिश की तहत इशारा करता है। और उन्होंने कहा कि भारत देश में लगभग 5 करोड़ रोहिंम्या निवास कर रहे हैं ।और जिहादियों के साथ मिलकर इस तरह की घटनाएं कर रहे हैं ।और यह लोग जहां पर हिंदू आबादी कम है जिहादी उन्हीं लोगों पर अत्याचार कर रहे हैं ।और केंद्र में विश्व के सबसे कद्दावर नेता के होते हुए भी हिंदुओं पर जिहादियों के द्वारा अत्याचार हो तो वह बहुत ही शर्म की बात है देश में 20% लोग 80% लोगों को मारने की धमकी देते रहते हैं इससे बड़ी शर्म की और क्या बात हो सकती है ।बीजेपी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है और हिंदू को बीजेपी पर ही भरोसा है। लेकिन हिंदू जहां कम संख्या में है जिहादी सोच वाले लोग उन पर अत्याचार करते हैं। इस लिए जिला बिजनौर के हिंदू युवा वाहिनी के समस्त कार्यकर्ता इस घटना की घनघोर जिंदा करते हैं और सरकार से निवेदन करते हैं कि पूरे देश में रह रहे विदेशी रोहिंम्याओ और विदेशी मुसलमानों को तत्काल प्रभाव से देश से बाहर भगाया जाए। और घटना में सम्मिलित जिहादियों को सख्त से सख्त सजा दी जाए ।हिंदू युवा वाहिनी के पूर्व मंडल प्रभारी डॉक्टर एनपी सिंह, टीकम सिंह फौजी, मनोज कुमार ,देव राजपूत ,सुनील सैनी , राज कुमार, दिनेश कुमार ,सुमित कुमार, भानु प्रताप सिंह ,दुष्यंत चौहान ,शेर सिंह ,सुशील सैनी, राहुल कश्यप, शुभम कुमार, विनोद शर्मा ,रोहित कुमार ,राहुल कश्यप ,विनोद सिंह ,एवं हिंदू युवा वाहिनी के कार्यकर्ता आदि उपस्थित रहे

बिजनौर में गुलदार का खौफ, ई-रिक्शा पर जाल

संवाददाता

बिजनौर । पिछले 7 महीने से गुलदार ने कहर बरपा रखा है। गुलदार के हमले से अब तक 13 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि काफी लोग घायल हो चुके हैं । गुलदार से बचने के लिए ग्रामीण तरह-तरह के जतन कर रहे हैं। कोई ई-रिक्शा पर जाल लगाकर चल रहा है तो कुछ किसान समूह में हाथों में लाठी-डंडे और हथियार लेकर खेतो में जा रहे हैं। ग्रामीणों और किसान यूनियन की मांग के बाद वन विभाग ने अब दो गुलदार को नरभक्षी घोषित कर गोली मारने के आदेश दे दिए, लेकिन पिछले 1 सप्ताह से 4 हथनियों के साथ जंगल की खाक छान रही है। वन विभाग की एक्सपर्ट की टीम के हाथ अभी भी खाली हैं। बिजनौर जिले में साल 2023 में गुलदार का कहर देखने को मिल रहा है। गुलदार 7 महीने में अब तक जहां 13 लोगों की जान ले चुका है वहीं 3 दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो चुके हैं। किसान अब खेतों में काम करने जाने से डर रहे हैं, बच्चों को स्कूल भेजने से घबरा रहे हैं, साथ ही इक्का-दुक्का लोग अब कहीं भी आने-जाने से डर रहे हैं। ग्रामीणों में खौफ देखने को मिल रहा है। गुलदार से बचने के लिए लोग तरह-तरह के जतन कर रहे हैं। एक ग्रामीण ने ई-रिक्शा पर चारों तरफ जाल लगा लिया है और सवारियों को ढो रहा है। ई-रिक्शा चालक का कहना है कि गुलदार से बचने के लिए उसने जाल लगाया है।

वहीं प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्यजीव संरक्षण ने अब दो गुलदार को नरभक्षी घोषित कर गोली मारने के आदेश दे दिए हैं। वहीं गुलदार से निजात दिलाए जाने की मांग को लेकर पिछले कई दिन से भारतीय किसान यूनियन के बैनर तले दर्जनों किसान कलेक्ट्रेट में धरने पर बैठे हुए हैं। प्रशासन और वन विभाग के अफसर से कई दौर की वार्ता हो चुकी है, लेकिन अभी तक वार्ता विफल रही और किसान अपनी मांगों पर डटे हैं।

सदन में स्वस्थ चर्चा के लिए हम पूरी तरह से तैयार, हर सवाल का देंगे जवाब: सीएम योगी

- सीएम योगी ने विधानसभा के मानसून सत्र से पहले पत्रकारों से की बातचीत
- सीएम योगी ने कहा, सदन सार्थक चर्चा का महत्वपूर्ण मंच, इसकी गरिमा बनाएं

संवाददाता

लखनऊ । प्रदेश के समग्र विकास एवं जनसमस्याओं के समाधान के लिए हम विधानमंडल की कार्रवाई में स्वस्थ चर्चा के लिए तैयार हैं। इसके लिए सर्वदलीय नेताओं की बैठक में सरकार की ओर से सार्थक चर्चा के लिए आवाह्न किया गया। साथ ही सरकार सभी दलों के सदस्यों के उनके सवालों के जवाब देने के लिए पूरी तरह से तैयार है। सरकार बाढ़, सूखे से निपटने के लिए सभी दलों के सुझाव का स्वागत करती है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को विधानभवन के गेट नं. 8 के पोर्टिको पर विधानसभा के मानसून सत्र के शुरू होने से पहले मीडिया बंधुओं से बातचीत के दौरान कही। इस दौरान दोनों डिप्टी सीएम बृजेश पाठक, केशव प्रसाद और संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना मौजूद रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मीडिया बंधुओं से बातचीत के दौरान कहा कि सदन आम जनमानस से जुड़ी समस्याओं को रखने एवं इस ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करने का महत्वपूर्ण मंच है। ऐसे में सदन में एक स्वस्थ चर्चा के लिए सरकार पूरी तरह से तैयार है। ऐसे में सदन को सार्थक चर्चा का विषय बनाना चाहिये। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश ने पिछले 6 वर्षों में विकास की नई ऊंचाइयों को छुआ है। इन 6 वर्षों के दौरान प्रदेश के परसेप्शन को बदलकर नौजवानों, नागरिकों के सामने कुत्सित राजनीति के कारणों से जो उनके सामने पहचान का संकट खड़ा हो गया था, उस पहचान के संकट से मुक्त करते हुए प्रदेश को देश के एक प्रमुख राज्य के रूप में स्थापित करने में पूरी सफलता प्राप्त हुई है। एक तरफ जहां इसे आगे बढ़ाने में सफलता प्राप्त हुई है, वहीं प्रदेश की अर्थव्यवस्था को दोगुना करने के साथ प्रति व्यक्ति आय को भी दोगना करने में सफलता प्राप्त हुई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज प्रदेश बीमारू राज्य की श्रेणी से उभर करके देश की अग्रणी अर्थव्यवस्था बनने की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। डबल इंजन की सरकार प्रदेश की 25 करोड़ जनता के प्रति पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है और आगे बढ़ रही है।

सीएम योगी ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश के पश्चिम के कुछ जनपदों में जनमानस बाढ़ के प्रकोप से प्रभावित हुआ है, वहीं प्रदेश के 40 से अधिक जनपद ऐसे हैं, जहां पर सूखे की समस्या एक चुनौती के रूप में हमारे सामने आयी है। इसको लेकर विधानसभा अध्यक्ष की अनुमति और विपक्ष के सदस्यों की सहमति पर सदन में इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर चर्चा के लिए हम तैयार हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि सभी सदस्य आम जनमानस की भावनाओं को ध्यान में रख करके सदन को एक स्वस्थ चर्चा-परिचर्चा का केंद्र बनाएंगे। साथ ही एक सार्थक चर्चा के माध्यम से विधायिका को और पुष्ट करने का कार्य करेंगे। सीएम योगी ने कहा कि विधानमंडल की इस कार्यवाही के पहले दिन के अवसर पर सभी सदस्यों का हृदय से स्वागत करता हूं और विश्वास करता हूं कि आम जनमानस की भावनाओं के अनुरूप सभी सदस्य सदन के फ्लोर पर अपनी बात को प्रभावी ढंग से रखेंगे।

इसमें सरकार उन्हें हर प्रकार का सहयोग देगी और हर प्रश्न का जवाब भी देने को तैयार रहेगी।

सविता ने इस्तांबुल में लहराया तिरंगा, दूसरी बार वर्ल्ड चैंपियनशिप में अपने नाम किया गोल्ड

नयी दिल्ली (एजेंसी)। इस्तांबुल में चल रही अंडर-17 वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में रोहतक की बेटी सविता ने गोल्ड मेडल अपने नाम किया है। ये दूसरी बार है जब सविता ने ये उपल्बधि हासिल की है। सविता ने फाइनल राउंड में जापान की खिलाड़ी को 9-6 से हराकर गोल्ड पर कब्जा किया। इस दौरान उन्होंने पहले राउंड में तुर्की की खिलाड़ी को 13-1, दूसरे राउंड में कजाकिस्तान की खिलाड़ी को 16-5, तीसरे में अमेरिका की खिलाड़ी को 10-0 से हराकर फाइनल में अपनी जगह बनाई।

सविता के अलावा रचना परमार ने 40 किलोग्राम में सिल्वर और नेहा सांगवान ने 57 किलो भारवर्ग में कास्य पदक अपने नाम किया। पिलानी निवासी सविता ने पहले मुकाबले में तुर्कि की पहलवान को हराकर 12-1 से मात देकर जीत के सफर को शुरू किया। उसके बाद दूसरे मुकाबले में यूएसए की पहलवान को एकतरफा मुकाबले में 12-0 से हराकर गोल्ड के करीब पहुंची। उसके बाद तीसरे मुकाबले में उज्बेकिस्तान की खिलाड़ी को 16-5 से मात दी। एक मुकाबले में बाई मिलने के बाद जीत की राह और आसान हो गई।

फाइनल मुकाबले में जापान की पहलवान को 9-6 से हराकर सविता ने गोल्ड मेडल अपने नाम किया। इससे पहले सविता किर्गिस्तान में हुई सब जूनियर चैंपियनशिप में गोल्ड पदक जीतक अपने जिले का मान बढ़ा चुकी है। मिशन 2028 के लिए पांच साल से कड़ी मेहनत कर रही पिलानी की बेटी ने परिवार की पहलवानी की परंपरा को चौथी पीढ़ी में भी कायम रखा है।

कोको गॉ ने मारिया सक्कारी को हराकर जीता डीसी ओपन का खिताब

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमरीका की 19 वर्ष की कोको गॉ ने मारिया सक्कारी को 6.2, 6.3 से हराकर डीसी ओपन खिताब जीत लिया जो उनके डब्ल्यूटीए टूर कैरियर का चौथा एकल खिताब है। राजधानी में इस हार्डकोर्ट टूर्नामेंट के महिला वर्ग में गॉ सबसे युवा विजेता बनी। फ्रेंच ओपन 2022 उपविजेता गॉ ने एक भी सेट नहीं गंवाया।

वहीं 33 वर्ष के डैन इवांस पुरूष वर्ग में 1988 के बाद सबसे उम्रदराज चैम्पियन बन गए। उन्होंने आंधी तूफान के कारण दो घंटे से अधिक विलंब से खेले गए फाइनल में टालोन ग्रीकस्पूर को 7.5, 6.3 से हराया। जिम्मी कोनोर्स ने 1988 में 35 वर्ष की उम्र में यह खिताब जीता था।

पांड्या टी20 क्रिकेट में 4000 रन और 150 विकेट लेने वाले पहले भारतीय बने

जॉर्जटाउन (एजेंसी)। (गुयाना)। भारतीय टी20 टीम के कप्तान हार्दिक पांड्या ने वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टी20 में एक अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। पांड्या ने इस दौरे पर वेस्टइंडीज के बल्लेबाज ब्रैंडन किंग का विकेट लेते ही टी20 क्रिकेट में 4000 रन और 150 विकेट लेने का अहम रिकार्ड अपने नाम किया है। ये उपलब्धि हासिल करने वाले वह पहले भारतीय क्रिकेटर हैं। पंड्या वर्तमान में भारतीय क्रिकेट इतिहास के सबसे सफल ऑलराउंडरों में से एक हैं। टी20 क्रिकेट में 4000 रन और 150 विकेट से पता चलता है कि वह खेल के प्रति किस कदर समर्पित हैं। वह गेंद और बल्ले दोनो ही अपना पूरा योगदान देना चाहते हैं। हार्दिक ने अपने क्रिकेट करियर की शुरुआत इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) से की थी। 2015 में मुंबई इंडियंस के लिए पदार्पण करते हुए उन्होंने 123 मैच खेले और 30.38 की औसत से 2309 रन बनाए। वह आईपीएल में 172 चौके और 125 छक्के लगाने में सफल रहे हैं। अगले साल होने वाले टी20 विश्वकप में उनके भारतीय टीम की कप्तानी करने की पूरी संभावनाएं हैं। इसी कारण युवा खिलाड़ियों को लगातार अवसर दिया जा रहा है। पंड्या ने अब तक जितने मैचों में कप्तानी की है उसमें उनका रिकार्ड अच्छा रहा है। युवा खिलाड़ियों का को प्रेरित करने के साथ ही शांत रहकर कप्तानी करने के अपनी कौशल के कारण भी वह खिलाड़ियों की पसंद बनने जा रहे हैं।

भारत-वेस्टइंडीज टी20 सीरीज का निर्णायक मुकाबला आज

प्रोविडेंस (एजेंसी)। भारतीय टीम मंगलवार को यहां मेजबान वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे टी20 क्रिकेट मैच को हर हाल में जीतकर सीरीज में वापसी करने के लिए पूरी ताकत लगा देगी। पांच मैचों की इस सीरीज के पहले दोनो ही मैचों में मिली हार के कारण भारतीय टीम इस सीरीज में पहले ही 2-0 से पीछे है। इसलिए सीरीज बचाने के लिए इस मैच में भारतीय टीम को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। इसके साथ ही उसके बल्लेबाजों को बेखौफ होकर रन बनाने होंगे। यहां की धीमी पिचें बल्लेबाजी के अनुकूल नहीं रही हैं पर कप्तान हार्दिक पंड्या ने तीसरे मैच से पहले कहा, भारत को 10-20 अतिरिक्त रन बनाने के तरीके ढूढने होंगे। यहां पांच मैचों की श्रृंखला के शुरूआती दो मैच हारने के बाद भारतीय टीम अभी दबाव में भी है। भारतीय बल्लेबाज पहली गेंद से ही आक्रामक खेल नहीं खेल पाये हैं। अभी तक ईशान किशन, शुभमन गिल और सूर्यकुमार यादव लय में नहीं दिखे हैं। इससे मध्य कम्र पर दबाव पड़ रहा है। इसमें तिलक वर्मा ने अब तक बेहतरीन बल्लेबाजी की है। दूसरे टी20 में केवल तिलक ही अर्धशतक लगा पाये थे।

हार्दिक ने दूसरे टी20 में हार के बाद कहा था कि टीम की बल्लेबाजी अच्छी नहीं रही थी और बल्लेबाजों को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। टीम के पास बल्लेबाजी क्रम छठे नंबर तक ही है और सातवें नंबर पर ऑलराउंडर अक्षर पटेल उतर रहे हैं। स्पिनर कुलदीप यादव दूसरे अंगूठे में चोट के कारण शायद ही इस मैच में खेल पायें। वहीं गेंदबाजों को भी मेजबान टीम के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना होगा। पहले दोनो ही मैच जीतने के कारण वेस्टइंडीज टीम के हौंसले बुलंद हैं। दूसरे टी20 में बल्लेबाज निकोलस पूरन ने आक्रामक बल्लेबाजी की थी। भारतीय स्पिनरों को उन्हें इस मैच में बड़ी पारी खेलने से रोकना होगा। इस मैच में अक्षर पटेल को अवसर मिल सकता है।

तेज गेंदबाज हार्दिक पंडया और अर्शदीप को दूसरे मैच में स्विंग मिली थी और यही दोनों गेंदबाजी की शुरूआत करेंगे। तेज गेंदबाज मुकेश कुमार की जगह इस मैच में आवेश खान या उमरान मलिक को अवसर मिल सकता है। मेजबान वेस्टइंडीज टीम इस सीरीज को किसी भी हाल में जीतकर अपना सम्मान बचाना चाहेगी क्योंकि वह पहले ही टेस्ट ओर एकदिवसीय सीरीज हार गयी थी। उकसे लिए इस मैच में जीत आसान नहीं रहेगी क्योंकि दूसरे मैच में उसके शीर्ष बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजों का सामना नहीं कर पाये थे। वेस्टइंडीज के कप्तान रोवमैन पॉवेल ने कहा कि इस बार उनकी टीम जीत के लिए कोई कसर नहीं रखेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत :-हार्दिक पंड्या (कप्तान), ईशान किशन , शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव, संजू सैमसन, अक्षर पटेल, युजवेंद्र चहल,कुलदीप यादव, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, उमरान मलिक, आवेश खान, मुकेश कुमार।

वेस्टइंडीज :-रोवमैन पॉवेल (कप्तान), काइल मायर्स, जॉनसन चार्ल्स, रोस्टन चेस, शिमरोन हेटमायेर, जैसन होल्डर, शाइ होप, अकील हुसैन, अलजारी जोसेफ, ब्रेंडन किंग, ओबेद मैकॉय, निकोलस पूरन, रोमारियो शेफर्ड, ओडियन स्मिथ, ओशाने थॉमस।

भारत ने मलेशिया को 5–0 से हराया, सेमीफाइनल के करीब

चेन्नई। जीत की राह पर वापसी करते हुए भारतीय हॉकी टीम ने मलेशिया को एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी के राउंड रॉबिन मैच में रविवार को 5 .0 से हरा दिया। भारत के लिये कार्ति सेल्वम (15वां मिनट), हार्दिक सिंह (32वां), कप्तान हरमनप्रीत सिंह(42वां), गुरजंत सिंह (53वां) और जुगराज सिंह (54वां) ने गोल दागे। इस जीत के बाद भारत तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया है और सेमीफाइनल का मार्ग भी प्रशस्त कर लिया। भारत ने पहले क्वार्टर में काफी आक्रामक शुरूआत की और कई अच्छे मौके बनाये। पहले क्वार्टर के आखिरी मिनट में हरमनप्रीत सिंह मलेशियाई बॉक्स की तरफ गेंद लेकर दौड़े और सेल्वम को पास दिया जिसने आसान गोल दागा। दूसरे क्वार्टर में भारतीयों ने हमले बोलने जारी रखे और दो पेनल्टी कॉर्नर भी बनाये लेकिन उन पर गोल नहीं हो सका। तीसरे क्वार्टर के दूसरे ही मिनट में हालांकि हार्दिक ने पेनल्टी कॉर्नर पर रिबाउंड शॉट के जरिये गोल दागा जबकि हरमनप्रीत मूल शॉट में चूक गए थे। मलेशिया को भी इस क्वार्टर में पेनल्टी कॉर्नर मिला और नजमी जजलान ने गोल भी कर दिया था लेकिन भारत ने वीडियो रेफरल लिया। खतरनाक फ्लिक होने के कारण यह गोल रद्द कर दिया गया। भारत को 42वें मिनट में लगातार तीन पेनल्टी कॉर्नर मिले जिनमें से तीसरे पर गोल हुआ। भारत का चौथा गोल गुरजंत ने 53वें मिनट में किया जिसकी नींव हार्दिक और मनदीप सिंह ने रखी। जुगराज ने अगले मिनट एक और गोल करके भारत की बढत पांच गोल की कर दी। भारत को अब गत चैम्पियन दक्षिण कोरिया से सोमवार को खेलना है जबकि मलेशिया की टक्कर जापान से होगी।

सबसे कम उम्र में टी20 में अर्धशतक लगाने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बने तिलक

जॉर्जटाउन । युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा विंडीज के खिलाफ दूसरे टी 20 मुकाबले में शानदार अर्धशतक लगाने के साथ ही सबसे कम उम्र में टी20 में अर्धशतक लगाने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज बन गये हैं। तिलक ने 20 साल, 271 दिन की उम्र में अपना ये अर्धशतक लगाया है जबकि रोहित ने 20 साल, 143 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाया था।

इसी के साथ ही तिलक ने आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को पीछे छोड़ दिया पर सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा का एक रिकार्ड वह नहीं तोड़ पाये। ऋषभ ने 21 साल, 38 दिन की उम्र में अर्धशतक लगाया था। वहीं रोहित ने साल 2007 टी20 विश्व कप के दौरान दक्षिण अफीका के खिलाफ सबसे कम उम्र में अर्धशतक लगाया था। तिलक ने लगातार 2 छक्कों के साथ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अर्धशतक लगाकर प्रशंसकों को प्रभावित किया था। पहले टी20 में भी तिलक ने 39 रन बनाये थे। दूसरे टी20 में एक समय जब भारतीय टीम ने 18 रन पर ही दो विकेट खो लिए थे तभी तिलक ने 41 गेंदों पर 51 रन बनाकर स्कोर 150 रनों के ऊपर पहुंचा दिया।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एकदिवसीय विश्वकप के लिए घोषित की संभावित टीम, कमिंस होंगे कप्तान

-वार्नर शामिल , लैबुशेन को नहीं मिली जगह

-भारतीय मूल के संगा भी शामिल

लंदन (एजेंसी)। सिडनी (ईएमएस)। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने अक्टूबर-नवंबर में भारत में होने वाले एकदिवसीय विश्वकप के लिए अपनी 18 सदस्यीय संभावित टीम घोषित कर दी है। इसमें सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर को बनाये रखा है पर हैरानी की बात है कि बल्लेबाज बैटर मार्नस लैबुशेन को इसमें जगह नहीं मिली है। विश्वकप से पहले ऑस्ट्रेलिया को दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर 3 टी20 और 5 एकदिवसीय मुकाबले खेलने हैं। इसमें भी विश्वकप के लिए घोषित टीम ही खेलेगी। ऑस्ट्रेलिया को दक्षिण अफ्रीका दौरे के बाद विश्व कप से पहले भारत से भी 3 एकदिवसीय खेलने हैं। तेज गेंदबाज पैट कमिंस हालांकि हाथ में फ्रेक्चर के कारण 6 सप्ताह के लिए बाहर हैं। इसलिए उनकी जगह मिचेल मार्श को ऑस्ट्रेलियाई टी20 टीम का नया कप्तान बनाया गया है। इसके अलावा विश्व कप के लिए घोषित संभावित टीम में तेज गेंदबाज सीन एबॉट और एरॉन हार्डी को भी शामिल किया गया लेग स्पिनर तनवीर संगा को भी इस टीम में जगह मिल है। ग्लेन मैक्सवेल दक्षिण अफ्रीका दौरे पर उपलब्ध नहीं रहेंगे। संगा भारतीय मूल के अनकैप्ड लेग स्पिनर हैं। उनके पिता मूल रुप से जालंधर के निवासी थे जो बाद में ऑस्ट्रेलिया में बस गये थे।

ऑस्ट्रेलियाई टीम दक्षिण अफ्रीका दौरे पर टी20 के मुकाबले 30 अगस्त, 1 और 3 सितंबर को खेलेगी। वहीं एकदिवसीय सीरीज की बात करें, तो मैच 7 सितंबर, 9, 12, 15 और 17 सितंबर को खेले जाएंगे। भारत के खिलाफ मुकाबले 22 सितंबर से शुरू होंगे। विश्व कप से पहले टीम इंडिया भी इस सीरीज से अपनी तैयारियों को बेहतर करना चाहेगी।

विश्व कप के लिए संभावित 18 सदस्यीय टीम इस प्रकार है :-

पैट कमिंस (कप्तान), डेविड वॉर्नर, ट्रेविस हेड, स्टीव स्मिथ, ग्लेन मैक्सवेल, जोस इंग्लिश, एलेक्स केरी, मार्कस स्टोइनिस, मिचेल मार्श, कैमरन ग्रीन, एरॉन हार्डी, सीन एबॉट, एस्टन एगर, एडम जंपा, तनवीर संगा, मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड और नाथन एलिस।

मेस्सी का एक और गोल, इंटर मियामी ने एफसी डलास को हराया

फिस्को । लियोनेल मेस्सी ने इंटर मियामी के लिये लगातार तीसरे मैच में गोल किया जिसके दम पर उनकी टीम ने लीग्स कप फुटबॉल में एफसी डलास को पेनल्टी शूटआउट में 5.4 से हरा दिया। मेस्सी ने 85वें मिनट में फ्रीकिक पर गोल दागा। इस जीत से इंटर मियामी क्वार्टर फाइनल में पहुंच गया है जहां उसका सामना चार्लोट एफसी और ह्यूस्टन के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। सात बार के बलोन डिओर विजेता और अर्जेंटीना की विश्व कप जीत के नायक मेस्सी ने इंटर मियामी के लिए चारों मैचों में गोल किए और इस टूर्नामेंट में उनके नाम सात गोल हो गए हैं।

मंजुनाथ 14.5 लाख के साथ ही जीपीबीएल नीलामी में सबसे महंगे बिके

-शिन 14 लाख के साथ दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी रहे

-27 अगस्त से शुरु होगा जीबीएल सत्र

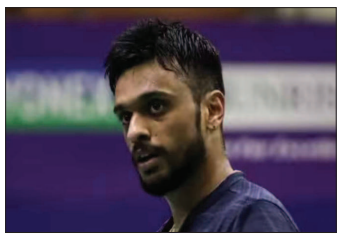

बेंगलुरु (एजेंसी)। मिथुन मंजुनाथ को जीपीबीएल बैडमिंटन सत्र 2 की नीलामी में सबसे अधिक रकम मिली है। ऑस्ट्रेलियाई ओपन विजेता 25 वर्षीय मिथुन को नीलामी में चेन्नई सुपरस्टार्स ने 14.5 लाख रुपये में खरीदा जबकि मिथुन का आधार मूल्य 8 लाख रुपये था और उनके लिए बेंगलुरु टाइगर्स ने भी बोली लगायी थी। जीपीबीएल का सत्र 27 अगस्त से 9 सितंबर तक यहां आयोजित किया जाएगा। इसमें टीमों को दो से अधिक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को शामिल करने का विकल्प मिलने के बाद कुल मिलाकर 15 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों का चयन किया गया। शिन बेक-चिओल सत्र के दूसरे सबसे महंगे खिलाड़ी रहे, उन्हें 14 लाख की बड़ी कीमत में खरीदा गया है। वहीं साई प्रणीत को नॉर्थईस्ट राइनोज़ ने 10 लाख रुपये में खरीदा। यूक्रेन की पोलिना बुहरोवा को मुंबई वॉल्व्स ने 9 लाख रुपये में खरीदा। ड्राफ्ट में आगामी सत्र में आठ फ्रेंचाइज़ियों का प्रतिनिधित्व करने के लिए 150 के रोस्टर में से 80 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का चयन हुआ। इसमें नीलामी के लिए कुल 500 से अधिक खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया था।

आठ टीमों में से प्रत्येक टीम बेंगलुरु टाइगर्स, हैदराबाद हाउंड्स, चेन्नई सुपरस्टार्स, गुजरात लायंस, केरल टस्कर्स, मुंबई वॉल्व्स, पुणे पैंथर्स और नॉर्थईस्ट राइनोज़ के पास अपनी ड्रीम टीम तैयार करने के लिए 35 लाख रुपये खिलाड़ी थे। वहीं इसमें प्रत्येक टीम में एक आइकन खिलाड़ी, न्यूनतम दो टियर-1 खिलाड़ी, कम से कम दो टियर-2 खिलाड़ी और कम से कम दो महिला खिलाड़ी होती हैं, इसमें दो से अधिक अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को शामिल नहीं किया जा सकता !

बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैम्पियनशिप में भारत की अगुवाई करेंगे शेट्टी और हुड्डा

नयी दिल्ली। उदीयमान बैडमिंटन खिलाड़ी आयुष शेट्टी और उन्नति हुड्डा अमेरिका में 25 सितंबर से होने वाली बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैम्पियनशिप में भारत की 16 सदस्यीय टीम की अगुवाई करेंगे। टीम का चयन दिल्ली में 26 से 29 जुलाई के बीच हुए ट्रायल में किया गया। भारतीय बैडमिंटन संघ के महासचिव संजय मिश्रा ने एक बयान में कहा ,''ट्रायल काफी प्रतिस्पर्धी था और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के लिये ट्रायल अनिवार्य किये जाने के बाद से कई नये चेहरे आये हैं।'' ओडिशा ओपन 2022 चैम्पियन हुड्डा लड़कियों के वर्ग में चुनौती का नेतृत्व करेंगी जिसमें बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर रैंकिंग में सातवें स्थान पर काबिज तारा शाह और देविका सिहाग भी शामिल हैं। पुरूषों के वर्ग में दो बार अंडर 19 अखिल भारतीय जूनियर रैंकिंग चैम्पियन रहे शेट्टी, तुषार सुवीर और लोकेश रेड्डी होंगे। युगल वर्गमें निकोलस नाथन राज और तुषार सुवीर तथा दिव्यम अरोरा और मयंक राणा की जोड़ियां हैं। लड़कियों के युगल वर्ग में राधिका शर्मा और तन्वी शर्मा , वेन्नला के और श्रियांशी वालीशेट्टी खेलेंगे। मिश्रित युगल में समरवीर और राधिका शर्मा, सात्विक रेड्डी और के वैष्णवी खाडकेकर उतरेंगे। यह टूर्नामेंट 25 सितंबर से दो अक्टूबर तक खेला जायेगा।

अगले पांच साल में ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड से सबसे अधिक मुकाबले खेलेगी भारतीय टीम

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम को अगले पांच साल (2023 से 2027) के बीच का कार्यक्रम काफी व्यस्त है। इसमें भारतीय टीम को अपनी धरती पर कुल 88 मुकाबले खेलने हैं। भारतीय टीम को तीन मैचों की पहली सीरीज सितंबर में ऑस्ट्रेलिया से खेलनी है। अगले 5 साल के दौरान भारतीय टीम को ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड से सबसे अधिक मुकाबले खेलने हैं।

भारतीय टीम 2023 से 2027 के बीच धरेलू धरती पर ऑस्ट्रेलिया से सबसे अधिक 21 मैच खेलेगी। इसमें 5 टेस्ट, 6 एकदिवसीय और 10 टी20 के मुकाबले शामिल हैं। वहीं भारत को इंग्लैंड से भी 18 बार खेलना है। इसमें 10 टेस्ट, 3 एकदिवसीय और 5 टी20 के मैच शामिल हैं। पिछले 5 साल के चक्र की बात करें, तो भारतीय टीम को इस बार 14 मुकाबले कम खेलने हैं। पिछले चक्र में उसे कुल 102 मैच खेलने को मिले थे। बीसीसीआई की ओर से घरेलू सीरीज के टीवी और डिजिटल अधिकारों के लिए टेंडर जारी किए हैं। आईपीएल की ही तरह इस बार दोनों के अधिकार अलग-अलग बेचे जाएंगे। टी20 लीग के दोनों अधिकारों से बीसीसीआई को 48 हजार करोड़ से अधिक की कमाई हुई थी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 3 मैचों की वनडे सीरीज 22 सितंबर से शुरू हो रही है। पहला मैच मोहाली में खेला जाएगा। 24 सितंबर को दूसरा मैच इंदौर में जबकि 27 सितंबर को अंतिम मुकाबला राजकोट में खेला जाएगा। यह सीरीज विश्व कप की तैयारी को देखते हुए अहम मानी जा रही है। विश्वकप के मुकाबले 5 अक्टूबर से शुरू हो रहे हैं और ये 19 नवंबर तक चलेंगे। भारतीय टीम को विश्व कप का अपना पहला मुकाबला 8 अक्टूबर को चेन्नई में ऑस्ट्रेलिया से खेलना है। इससे पहले 1 जनवरी 2018 से अब तक के टीम इंडिया ने कुल मिलाकर 20 टेस्ट खेले थे। सबसे अधिक 4-4 टेस्ट उसने ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड से खेले थे। वहीं दक्षिण अफ्रीका से 3 टेस्ट खेले थे। इसके अलावा बांग्लादेश, न्यूजीलैंड, श्रीलंका और वेस्टइंडीज ने भारत में 2-2 टेस्ट खेले। इसके अलावा एक टेस्ट भारत और अफगानिस्तान के बीच भी खेला गया। तीनों फॉर्मेट की बात करें, तो भारतीय टीम ने 2018 से अब तक घर पर द्विपक्षीय सीरीज के सबसे अधिक 22 मैच वेस्टइंडीज के खिलाफ खेले हैं।

भाजपा के एक और कार्यकर्ता पर जानलेवा हमला, जांच में जुटी मकरपुरा पुलिस

वडोदरा।

वडोदरा में भाजपा के एक और कार्यकर्ता पर जानलेवा हमले से सनसनी फैल गई। वडोदरा भाजपा के पिछड़े वर्ग मोर्चा के कारोबारी सदस्य राकेश पाटणवाडिया पर दो शख्सों ने बेजबोल की स्टीक से हमला कर बुरी तरह घायल कर दिया। मकरपुरा पुलिस थाने में रिपोर्ट दर्ज होने के बाद आरोपियों को गिरफ्तारी की कवायद तेज कर दी गई है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक वडोदरा शहर भाजपा पिछड़े वर्ग मोर्चा के कारोबारी सदस्य राकेश पाटणवाडिया गत 5 अगस्त की रात बामण गांव स्थित अपनी बहन के घर से वापस लौट रहे थे। उस वक्त वडोदरा के नोवीनी तीन रास्ते पर उनके दोस्त प्रतीक्षा कर रहे थे। राकेश पाटणवाडिया के रुकते ही एक कार अचानक वहां पहुंच गई और उसमें से बंटी नामक एक शख्स उतरा। बंटी कार से उतरते ही राकेश के साथ गाली-गलौज करने लगा। राकेश ने जब उसे गाली-गलौज करने से मना किया तो वह तो मारपीट करने लगा। उस वक्त कार से भरत तांबे नामक एक और शख्स बेजबोल की स्टीक लेकर उतरा। जिसके बाद बंटी और भरत दोनों ने राकेश की बुरी तरह पिटाई की।

हांलाकि इस दौरान आसपास के लोगों के जमा होने से दोनों हमलावर मौके से भाग निकले। हमले में राकेश पाटणवाडिया के हाथ और पैर में गंभीर चोट लगने से उन्हें प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक पुरानी रंजिश को लेकर बंटी और भरत ने राकेश पर हमला किया था। फिलहाल राकेश पाटणवाडिया की शिकायत के आधार पर मकरपुरा पुलिस ने बंटी और भारत के खिलाफ केस दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू की है। गौरतलब है कुछ दिन पहले वडोदरा भाजपा कार्यकर्ता सचिन ठक्कर की हत्या कर दी गई थी। इस मामले में वडोदरा की गोत्री पुलिस ने 3 आरोपी वासिफ अजमेरी, विकास लोहाणा और पार्थ परीख को गिरफ्तार किया था। वाहन पार्किंग की पुरानी रंजिश में आरोपियों ने भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ता सचिन ठक्कर की हत्या की होने का पुलिस की जांच में खुलासा हुआ था। तीनों आरोपी फिलहाल जेल में हैं।

सरदार सरोवर नर्मदा डेम समेत राज्य के 207 जलाशयों में 72.26 प्रतिशत जलराशि

अहमदाबाद ।

गुजरात समेत ऊपरी हिस्सों में हुई अच्छी बारिश की वजह से राज्य के जलाशयों में पानी की लगातार आय हो रही है। गुजरात की जीवनदायिनी सरदार सरोवर नर्मदा बांध समेत राज्य के 20। जलाशय 72.26 प्रतिशत भर चुके हैं। सरदार सरोवर बांध में 74.80 प्रतिशत पानी जमा हुआ है। 90 प्रतिशत से अधिक भरे राज्य के 92 जलाशय हाईअलर्ट पर हैं। गुजरता के स्टेट इमर्जेंसी ऑपरेशन सेंटर से मिली जानकारी के मुताबिक राज्य में मौसम की अब तक 79.8 3 प्रतिशत बारिश हो चुकी है। जिसमें सबसे अधिक कच्छ में 135.82 प्रतिशत बारिश हुई है। वहीं सौराष्ट्र में 109.46 प्रतिशत, उत्तर गुजरात में 66.85 प्रतिशत, दक्षिण गुजरात में 70.50 प्रतिशत, पूर्व-मध्य गुजरात में 63.47 प्रतिशत मौसम की औसत बारिश हो चुकी है। गुजरात समेत ऊपरी हिस्सों में अच्छी बारिश की वजह से राज्य की 207 जल परियोजनाओं में 72.26 प्रतिशत पानी संग्रह हुआ है। सरदार सरोवर नर्मदा बांध में 251184 एमसीएफटी जलराशि का संग्रह हुआ है।

जो कुल जलसंग्रह क्षमता का 75.79 प्रतिशत है। उत्तरी गुजरात के 15 जलाशयों में 71.17 प्रतिशत, मध्य गुजरात के 17 जलाशयों में 48.97 प्रतिशत, दक्षिण गुजरात के 13 जलाशयों में 72.37 प्रतिशत, कच्छ के 20 जलाशयों में 66.23 प्रतिशत और सौराष्ट्र के 141 जलाशयों में 83.70 प्रतिशत पानी जमा हुआ है। अच्छी बारिश होने के कारण राज्य के पानी से लबालब 65 और 90 से 100 प्रतिशत पानी से भरे 27 समेत 92 जलाशय हाईअलर्ट पर हैं। जबकि 80 से 90 प्रतिशत जलसंग्रह वाले 2। जलाशय अलर्ट पर और 70 से 80 प्रतिशत जलसंग्रह वाले 9 जलाशयों पर सामान्य चेतावनी जारी की गई है।

दीप दर्शन विद्या संकुल में शिक्षक श्री राघव भाई काटकिया ने शिक्षक सज्जता पर सेमीनार किया

सूरत भूमि, सूरत।

डिंडोली के दीप दर्शन विद्या संकुल में, शिक्षक श्री राघव भाई काटकिया, जो बच्चों के बीच रघु रमकड़ा के नाम से लोकप्रिय हैं, अमरेली क्षेत्र के मूल निवासी हैं, ने एक जीवंत शिक्षक सज्जता पर सेमिनार किया। श्री राघव भाई काटकिया पर सरस्वती की असीम कृपा है कि वे बच्चों के साथ बच्चों की तरह खेलते हैं और जीवन के पाठों को खेल की किताब के पाठों से समझाते हैं। इस सेमिनार का आयोजन इस उद्देश्य से किया गया था कि दीप दर्शन के शिक्षक भी उनकी कला से लाभान्वित हों। बच्चे के उज्जवल भविष्य में उसकी बुनियादी शिक्षा यानी नर्सरी स्कूल और प्राथमिक शिक्षा अहम भूमिका निभाती है, जिसमें बच्चों को जितनी सक्रिय शिक्षा दी जाएगी, उतनी ही बच्चे के अंदर छिपी हुई ऊर्जाओं को बाहर लाने और फलने-फूलने में मदद मिलती है। स्कूल के शैक्षिक सलाहकार श्री सवजीभाई पटेल और स्कूल प्रबंधक श्री दशरथभाई पटेल लगातार प्रयास करते हैं कि शिक्षकों और बच्चों को शिक्षकों के माध्यम से कुछ नया सीखने को मिले और समय-समय पर स्कूल में ऐसे विशेषज्ञों से शिक्षकों को आवश्यक प्रशिक्षण दिलाने का प्रयास करें।

गुजरात से निर्यात को बढ़ावा देने के लिए अमेज़ॅन ने गुजरात सरकार और ईडीआईआई के साथ साझेदारी की

वडोदरा । राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के अवसर पर, अमेज़ॅन इंडिया ने आज उद्यमिता विकास संस्थान (ईडीआईआई) और गुजरात सरकार के कुटीर और ग्रामीण उद्योग विभाग के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। राज्य से ई-कॉमर्स निर्यात बढ़ाने में मदद करें। श्री बलवंतसिंह राजपूत, माननीय मंत्री, उद्योग, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग, कुटीर, खादी और ग्रामीण उद्योग, नागरिक उड्डयन, श्रम और रोजगार, श्री जगदीश विश्वकर्मा, माननीय राज्य मंत्री, सहकारिता, नमक उद्योग, मुद्रण एवं स्टेशनरी, प्रोटोकॉल (सभी स्वतंत्र प्रभार), सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग, कुटीर, खादी एवं ग्रामीण उद्योग, नागरिक उड्डयन, श्री. प्रवीण सोलंकी, सचिव और आयुक्त, कुटीर और ग्रामीण उद्योग सहित अन्य की उपस्थिति में अकोटा स्टेडियम वडोदरा में राज्य शिल्प पुरस्कार समारोह और ओडीओपी प्रदर्शनी में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

समझौते के अंतर्गत, अमेज़ॅन गुजरात के बुनकरों और कारीगरों के साथ-साथ अन्य सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को लाने पर ध्यान केंद्रित करेगा। अमेज़ॅन ग्लोबल सेलिंग नामक अमेज़ॅन के ईकॉमर्स निर्यात कार्यक्रम पर प्रशिक्षित और शामिल करेगा। इससे उन्हें 200 से अधिक देशों और क्षेत्रों में लाखों अमेज़ॅन ग्राहकों को अपने अद्वितीय च्मेड इन इंडियाज् उत्पाद बेचने में मदद मिलेगी। कुटीर और ग्रामीण उद्योग विभाग हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्र में गुजरात के 1,000 से अधिक एमएसएमई की पहचान करेगा, जो निर्यात के माध्यम से अपने व्यवसाय को बढ़ाने में रुचि रखते हैं और उन्हें कार्यशालाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने में सक्षम बनाएंगे। अमेज़ॅन और ईडीआईआई राज्य भर से एमएसएमई के लिए बी2सी ई-कॉमर्स निर्यात पर प्रशिक्षण सत्र, कार्यशालाएं और जागरूकता सत्र आयोजित करेंगे।

सत्र एमएसएमई को 18+ अमेज़ॅन ग्लोबल मार्केटप्लेस पर बेचने के लिए अपने उत्पादों को पंजीकृत करने और सूचीबद्ध करने के तरीके के बारे में प्रशिक्षित करेंगे, इसके अलावा उन्हें निर्यात को आसान बनाने वाले उपकरणों पर शिक्षित किया जाएगा और व्यक्तिगत कार्यशालाओं और ऑनलाइन वेबिनार के मिश्रण के माध्यम से आयोजित किया जाएगा। अमेज़ॅन ईडीआईआई और गुजरात सरकार के बीच यह सहयोग एमएसएमई के लिए समान विचारधारा वाले व्यक्तियों, सलाहकारों और उद्योग विशेषज्ञों के साथ नेटवर्किंग के अवसरों को सुविधाजनक बनाकर एक सहायक समुदाय को बढ़ावा देने में मदद करेगा ताकि उन्हें बाजार में अपनी दृश्यता बढ़ाने में मदद मिल सके।

श्री बलवंतसिंह राजपूत, माननीय मंत्री, उद्योग, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग, कुटीर, खादी और ग्रामीण उद्योग, नागरिक उड्डयन, श्रम और रोजगार ने कहा, "हमारी प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक गुजरात से निर्यात को बढ़ावा देना है और इस साझेदारी के माध्यम से अमेज़ॅन के साथ, हमारा लक्ष्य गुजरात में लाखों एमएसएमई को ई-कॉमर्स निर्यात को अपनाने के लिए सशक्त बनाना है। इससे उन्हें दुनिया भर के ग्राहकों को अपने उत्पाद दिखाने के लिए अमेज़ॅन की वैश्विक उपस्थिति का लाभ उठाने में मदद मिलेगी। अपने स्थानीय उत्पादों को वैश्विक ग्राहकों तक ले जाने वाले एमएसएमई स्थानीय अर्थव्यवस्था को समर्थन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे और राज्य की संस्कृति और विरासत के साथ-साथ हमारी विनिर्माण और नवाचार क्षमताओं की ताकत प्रदर्शित करेंगे।"

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के मौके पर कुटीर एवं ग्रामोद्योग आयुक्त के साथ एमओयू साझा करते हुए फ्लिपकार्ट ने गुजरात सरकार से मिलाया हाथ

बेंगलुरु । राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के मौके पर भारत के घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने फ्लिपकार्ट समर्थ प्रोग्राम के तहत कुटीर एवं ग्रामोद्योग आयुक्त के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) के माध्यम से गुजरात सरकार से हाथ मिलाया है। इस एमओयू का लक्ष्य प्रत्येक जिले में शिल्प के विकास पर केंद्रित हस्तकला सेतु योजना के अंतर्गत पंजीकृत स्थानीय कारीगरों को डिजिटल करना और राज्य की कमजोर होती शिल्पकला को पुनर्जीवित करना है। फ्लिपकार्ट समर्थ प्रोग्राम फ्लिपकार्ट मार्केटप्लेस के माध्यम से राष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच उपलब्ध कराएगा। इस प्रोग्राम के तहत गुजरात के एमएसएमई, कारीगरों, बुनकरों, महिला स्वयं सहायता समूहों और शिल्पकारों को रणनीतिक समझ, प्रशिक्षण और अपने उत्पादों को बाजार में विस्तार देने के तरीकों के बारे में बताया जाएगाऔर इस तरह उनके लिए आजीविका के अवसर बढ़ेंगे एवं आर्थिक विकास को गति मिलेगी।

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के मौके पर कारीगरों, महिला स्वयं सहायता समूहों, बुनकरों और हथकरघा समुदाय को सम्मान देते हुए गुजरात सरकार के माननीय उद्योग, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, कुटीर, खादी एवं ग्रामोद्योग, नागरिक उड्डयन, श्रम एवं रोजगार मंत्री श्री बलवंतसिंह राजपूत, माननीय सहकारिता, नमक उद्योग, प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी, प्रोटोकॉल (सभी स्वतंत्र प्रभार), सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, कुटीर, खादी एवं ग्रामोद्योग, नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री श्री जगदीश पांचाल, कुटीर एवं ग्रामोद्योग आयुक्त एवं सचिव आईएएस श्री प्रवीण के. सोलंकी और गुजरात राज्य हथकरघा एवं हस्तशिल्प विकास निगम लिमिटेड (जीएसएचएचडीसी) के प्रबंध निदेशक आईएएस श्री ललित नारायण सिंह संधु की उपस्थिति में एमओयू साझा किया गया।

इस अवसर पर गुजरात सरकार के माननीय उद्योग, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, कुटीर, खादी एवं ग्रामोद्योग, नागरिक उड्डयन, श्रम एवं रोजगार मंत्री श्री बलवंतसिंह राजपूत ने कहा, 'यह एमओयू राज्य के प्रतिभाशाली स्थानीय कारीगरों, बुनकरों और छोटे उद्यमियों को सशक्त करने एवं उनके जीवन स्तर को सुधारने के लिए हमारी प्रतिबद्धता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। ई-कॉमर्स उन्हें अपने उत्पादों को अधिक लोगों तक पहुंचाने में सक्षम बनाएगा। यह रणनीतिक गठजोड़ हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए आर्थिक एवं सामाजिक विकास को गति देने के गुजरात सरकार के लक्ष्य के ही अनुरूप है।'

इस गठजोड़ को लेकर माननीय सहकारिता, नमक उद्योग, प्रिंटिंग एवं स्टेशनरी, प्रोटोकॉल (सभी स्वतंत्र प्रभार), सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम, कुटीर, खादी एवं ग्रामोद्योग, नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री श्री जगदीश पांचाल ने कहा, 'हमें भारत के घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट के साथ साझेदारी की खुशी है। यह साझेदारी राज्य के स्थानीय कारीगरों, बुनकरों और छोटे उद्यमों के विकास के हमारे प्रयासों की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। ई-कॉमर्स की क्षमता का लाभ लेते हुए हम उन्हें अपने शिल्प एवं उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर पर ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने का अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह रणनीतिक गठजोड़ राज्य में आर्थिक एवं सामाजिक विकास को गति देने और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करते हुए एमएसएमई के लिए अनुकूल माहौल बनाने के हमारे लक्ष्य के अनुरूप है।'

बिरला सेल्यूलोज अनन्य एलएपीएफ स्टूडियो सूरत में स्पन एमएमसीएफ-आधारित वस्त्रों के प्रवेश को सुनिश्चित करता है एक साल मे 600+ उद्योग खरीदार पंजीकृत

सूरत।

बिरला सेल्यूलोज ने अपने एलएपीएफ स्टूडियो की पहली वर्षगांठ को चिह्नित करने के लिए सूरत में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य धागे और ग्रीज की मूल्य श्रृंखला खरीदने के साथ-साथ कपड़ा निर्माताओं, थोक विक्रेताओं, ब्रांडों और लेबल आदि सहित स्थानीय खरीदार समुदाय से उत्कृष्ट प्रतिक्रिया प्रदान करना है। स्टूडियो ने खरीदारों के लिए 3000+ कपड़ों का मूल्यांकन करने और सूरत बाजार में एमएमसीएफ आधारित कपड़ों की वृद्धि और प्रवेश सुनिश्चित करने के लिए पिछले साल 600+ ग्राहकों को पंजीकृत किया था।

स्थानीय इको-सिस्टम और कपड़ा उद्योग के विकास के लिए अपना समर्थन दिखाने के लिए, सूरत शहर के मेयर हेमाली बोगावाला, टीएक्ससी कार्यालय में सहायक निदेशक श्री सिद्धेश्वर डोम्बे, एसआरटीईपीसी के अध्यक्ष श्री धुरूभाई, एसजीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष श्री गिरधरलाल मुंद्रा और श्री महेंद्र काजीवाला, श्री देवकिशन मंघानी, पूर्व अध्यक्ष - FOSTTA (फेडरेशन ऑफ सूरत टेक्सटाइल ट्रेडर्स एसोसिएशन) ने अपनी उपस्थिति के साथ इस अवसर की शोभा बढ़ाई।

अधिकृत भागीदारों की ओर से लिवा इको, लिवा रिवाइवा, बिरला एक्सेल के 150+ लिवा फैब्रिक में विशिष्ट रूप से तैयार किए गए फैब्रिक कलेक्शन को वहां मौजूद सभी लोगों ने सराहा। सूरत स्टूडियो का उद्घाटन एक साल पहले बिरला विस्को, बिरला मॉडल, बिरला एक्सेल (लियोसेल), लिवाइको, लिवा रिवैवा, स्पैनशेड्स आदि में एमएमसीएफ फाइबर आधारित उत्पादों के साथ सूरत में खरीदारों और मूल्य श्रृंखला का समर्थन करने के उद्देश्य से किया गया था।

एमडी ड्रग्स के साथ तीन शख्स गिरफ्तार, कार, मोबाइल और नकद समेत रु. 7.96 लाख माल-सामान भी जब्त

सूरत। शहर की खटोदरा पुलिस ने उधना दरवाजा क्षेत्र से गुजर रही कार से तीन शख्सों को एमडी ड्रग्स के साथ गिरफ्तार कर लिया। बरामद किया गया ड्रग्स मुंबई से लाया गया था। पुलिस ने रु. 67600 कीमत के एमडी ड्रग्स, नकद और फोर व्हीलर समेत रु. 7.96 लाख का माल सामान जब्त कर आगे की कार्यवाही शुरू की है। जानकारी के मुताबिक सूरत पुलिस को सूचना मिली थी कि शहर के उधना दरवाजा पुरानी सबजेल के बगल स्थित सरकारी कॉलोनी के निकट से गुजर रही कार में एमडी ड्रग्स ले जाया जा रहा है। सूचना के आधार पर सूरत की खटोदरा पुलिस और एलसीबी की टीम जॉइंट ऑपरेशन कर सरकारी कॉलोनी के निकट से गुजर रही कार में सवार अरबाद अब्दुल रहीम पटेल, रेहान मोहमद याकूब मेवावाला और मोहमद एजाज मोहमद इम्तियाज शेख को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी में पुलिस को आरोपियों के पास से रु. 67600 कीमत का 6.760 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपियों से नकद, रु. 20000 कीमत के तीन मोबाइल और । लाख कीमत की एक कार समेत रु. 7.96 लाख का माल-सामान जब्त कर लिया। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि उन्होंने मुंबई के विरार में रहनेवाले अपने दोस्तों साहिल उर्फ इम्मू, इस्माइल और मोटा से एमडी ड्रग्स पास किया था। खटोदरा पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू की है।

व्यारा होम्योपैथी कॉलेज में तापी जिला कर्म योगी पुरस्कार-2023 का भव्य आयोजन किया गया

सूरत भूमि, संवाददाता
गौरीशंकर मिश्रा, तापी।

तापी जिला कर्म योगी पुरस्कार 2023 का आज व्यारा कालिदास होम्योपैथी कॉलेज में पत्रकार एकता परिषद सम्मेलन के साथ भव्य आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के 20 लोगों को धरसभायो, नगर पालिका अध्यक्ष और पुलिस विभाग की उपस्थिति में कर्म योगी पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

विधायकों द्वारा पीएचडी डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त करने वाले पत्रकार बिंदेश्वरी शाह को सम्मानित किया गया। पत्रकारों के सवालों को पढ़ने के लिए आज सीएन कोठारी होम्योपैथिक कॉलेज, व्यारा में तापी जिला पत्रकार एकता परिषद की एक बैठक आयोजित की गई। जिसमें गुजरात के सभी जिलों के पत्रकारों सहित पत्रकार एकता परिषद गुजरात के अध्यक्ष लाभुभाई कतरोडिया, गिरवानसिंह सरवैया, समीमबेन पटेल विशेष रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम में पत्रकारों के विभिन्न प्रश्नों पर चर्चा की गयी तथा पत्रकारों को मार्गदर्शन प्रदान किया गया।

साथ ही सभी पत्रकारों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में कर्मयोगी पुरस्कार 2023 की भी घोषणा की गई। इसमें विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले उन व्यक्तियों को सम्मानित किया गया जिन पर सरकार का ध्यान नहीं गया। अंकुश पुरोहित, ह्यूमन रिलायंस ग्रुप के अंकित गमीत, वाइल्ड लाइफ एनिमल रेस्क्यू ग्रुप सोनगढ़, संस्कृति संरक्षण और शिक्षा के क्षेत्र में नितिनभाई पड़वी कुकरमुंडा, वृक्षारोपण के क्षेत्र में विजेशभाई कवला वाला, सामाजिक जागरूकता के लिए वीरसिंहभाई पटेल, सोनगढ़ तालुक के अभय जादूगर , जीव दया के लिए व्यारा के बंटी भाई शाह, रेफरल अस्पताल व्यारा के लिए धनसुखभाई यादव और दान के लिए कुकरमुंडा के हेमेंद्रसिंह पाडवी सहित कुल 20 कर्मयोगियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में 171 व्यारा विधायक मोहनभाई थे। 170 महुवा विधायक मोहनभाई धोडिया, श्री एन एस चौहान, व्यारा के पीआई, पद्मश्री विजेता रामिलाबेन गमीत, राकेशभाई कछवाला कॉलेज ट्रस्टी, सेजलबेन राणा, अध्यक्ष, व्यारा नगर पालिका, पेशेभाई मीठा, कल्पेशभाई धोडिया, मृणालभाई जोशी, जिला पंचायत निर्माण समिति के नितिनभाई गमीत, वालोड तालुका पंचायत अध्यक्ष, सूचना विभाग तापी के भाभोर साहब उपस्थित थे। पूरे कार्यक्रम का संचालन पत्रकारिता परिषद के महासचिव बिंदेश्वरीभाई शाह ने किया, जबकि पत्रकार संघ के अध्यक्ष राकेशभाई चौधरी और सभी पत्रकारों की कड़ी मेहनत से कार्यक्रम बेहद सफल रहा।

भाजपा अब गुजरात में लोकसभा की सभी 26 सीटें नहीं जीत पाएगी : आप प्रदेश अध्यक्ष का बड़ा दावा

अहमदाबाद। आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दलों ने तैयारियां तेज कर दी हैं। गुजरात विधानसभा चुनाव स्वतंत्र चुनाव लड़ने वाली आम आदमी पार्टी (आप) ने आगामी लोकसभा चुनाव में कांग्रेस से गठबंधन करने का ऐलान किया है। आप के गुजरात प्रदेश अध्यक्ष इसुदान गढ़वी ने आज कहा कि उनकी पार्टी कांग्रेस के साथ मिलकर लोकसभा का चुनाव लड़ेगी। पत्रकार परिषद को संबोधित करते हुए इसुदान गढ़वी ने बड़ा दावा किया कि अब गुजरात में भाजपा लोकसभा की सभी 26 सीटें जीत नहीं पाएगी। गुजरात में आप और कांग्रेस राज्य की 26 सीटों का बंटवारा करेगी और उसके बाद चुनाव लड़ेगी। इंडिया गठबंधन में कांग्रेस और आप दोनों के शामिल होने से मिलकर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि गुजरात में जहां जहां आम आदमी पार्टी मजबूत है, उन निर्वाचन क्षेत्रों को लेकर विचार करेगी और उसके बाद टिकट वितरण पर फैसला किया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि गुजरात में अब भाजपा 26 में से 26 सीटें जीत नहीं पाएगी। फिलहाल प्राथमिक चरण की प्रक्रिया चल रही है। गुजरात में भी इंडिया गठबंधन के तहत चुनाव लड़ेंगे। बता दें कि वर्ष 2022 में हुए गुजरात विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 52.50 प्रतिशत वोट के साथ 156 सीटों पर रिकार्ड जीत दर्ज की थी। वहीं कांग्रेस को 27.28 प्रतिशत वोट मिले थे और उसकी 17 सीटों पर जीत हुई थी।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)